

## जबलपुर

रविवार 2 अगस्त 2026

- श्रावण मास कृष्ण पक्ष-4
- वर्ष : 21 अंक : 90
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 \*

## मौसम

अधि. 32  
न्यून. 27



मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



नृत्य का चित्र

**जबलपुर का कायाकल्प : कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन**

# मेडिकल यूनिवर्सिटी एम्स की तर्ज पर बनेगी, 435 करोड़ की सौगात



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

हरिभूमि न्यूज ► जबलपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संस्कारधानी जबलपुर को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने और मेडिकल यूनिवर्सिटी को एम्स की तर्ज पर उन्नत बनाने की घोषणा करते हुए शहर को 435 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

नगर निगम के गीता भवन में आयोजित समारोह में उन्होंने कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मदन महल क्षेत्र में प्रदेश का सबसे बड़ा अत्याधुनिक जू-पार्क बनाया जाएगा। साथ ही जबलपुर में फर्नीचर क्लस्टर स्थापित किया जाएगा और सभी विधानसभा क्षेत्रों में संदीपनी विद्यालय खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से पर्यटन, उद्योग, शिक्षा और रोजगार को नई दिशा मिलेगी।

**सीएम ने कहा कि इन परियोजनाओं से पर्यटन, उद्योग, शिक्षा और रोजगार को नई दिशा मिलेगी**

### सीएम की घोषणाएं

- जबलपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी बनेगा
- मदन महल में प्रदेश का सबसे बड़ा जू-पार्क बनेगा
- जबलपुर में फर्नीचर क्लस्टर स्थापित किया जाएगा
- सभी विधानसभा क्षेत्रों में संदीपनी विद्यालय खोले जाएंगे



### 1 लाख पौधारोपण अभियान का शुभारंभ

समारोह में अमृत 1.0 सीवरेज परियोजना, रजक समुदाय के लिए सर्वसुविधायुक्त लॉन्ड्री क्षेत्र तथा गुरंदी में अत्याधुनिक मत्स्य विक्रय केंद्र का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने डुमना नेचर पार्क में पौधारोपण कर कैच द रैन अभियान और मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधारोपण अभियान

का शुभारंभ भी किया। कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के लाभ वितरित किए गए तथा पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए। नगर निगम के विकास कार्यों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी मुख्यमंत्री ने किया।

### 4 वर्षों में 2200 करोड़ के विकास कार्य

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने जबलपुर को मिली बड़ी सौगात के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्व ने नगर निगम की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों में 2200 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य कराए गए हैं और शहर ने स्वच्छता, वायु गुणवत्ता तथा शहरी सेवाओं में उल्लेखनीय

प्रगति की है। समारोह में सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर निगम अध्यक्ष, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संजय उपाध्याय, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे।

**होटलों में खाना भी होगा सस्ता?**

## कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर सस्ता दिल्ली से कोलकाता तक घटे दाम

दूसरी बार कम हुए सिलेंडर के दाम

एजेसी ► नई दिल्ली

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अगस्त 2026 यानी आज से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती की है। महीने की पहली तारीख को हुए इस बदलाव से कमर्शियल गैस का इस्तेमाल करने वाले व्यवसायियों को बड़ी राहत मिली है। लागू की गई नई कीमतों के मुताबिक देश की राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 202 रुपये की कटौती की गई है, वहीं कोलकाता में इसके दाम 209 रुपये तक कम हुए हैं। देश के अन्य महानगरों और राज्यों में भी कमर्शियल सिलेंडर के दाम इसी अनुपात में घटाए गए हैं। कमर्शियल सिलेंडर सस्ते होने के बाद आम लोगों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के



### शनिवार से लागू नई दरें

- दिल्ली: 2,728 (202 की कटौती)
- कोलकाता: 2,872.50 (209 की कटौती)
- मुंबई: 2,691.50
- भोपाल: 2,743.00 (190.50 की कटौती)

दाम में भी कोई बदलाव हुआ है? आपको बता दें कि आम उपभोक्ताओं को फिलहाल ऐसी कोई राहत नहीं मिली है।

### इंपैक्ट: तो घटे जाएंगे दाम

अब एक बड़ा सवाल यह भी उठता है कि क्या एलपीजी के दाम घटने से होटलों में खाद्य पदार्थों के दाम घट जाएंगे? कमर्शियल एलपीजी सस्ती होने से होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों के खर्च में कमी जरूर आएगी, लेकिन खाद्य पदार्थों के दाम तुरंत कम होने की उम्मीद काफी कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजों की कीमतें केवल ईंधन पर निर्भर नहीं करतीं, बल्कि कच्चा माल जैसे सब्जियां, मसाले, तेल और लेबर कॉस्ट भी अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि, गैस के दाम घटने से खाने-पीने की चीजों में आगे होने वाली संभावित महंगाई पर ब्रेक जरूर लगेगा। और होटल मालिकों का मार्जिन बेहतर होगा।

## जीएसटी कलेक्शन में बंपर उछाल, जुलाई में आंकड़ा 2.11 लाख करोड़ के पार

राजीव गांधी की बिक्री में भी 33% की वृद्धि

एजेसी ► नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था में मजबूती का सिलसिला जारी है, तभी जुलाई माह में जीएसटी संग्रह से लेकर ऑटोमोबाइल्स की बिक्री में खासी तेजी दर्ज की गई। जुलाई

में जीएसटी का संग्रह 2,11,205 करोड़ रहा जो पिछले साल जुलाई के मुकाबले 15.4 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के चार माह में दो बार जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार हो चुका है। जुलाई के जीएसटी संग्रह में सीजीएसटी की हिस्सेदारी 39,853 करोड़ तो एसजीएसटी की 47,881 करोड़ की बताई गई। आईजीएसटी का योगदान 1,23,490 करोड़ का रहा।

**JAYPEE UNIVERSITY OF ENGINEERING & TECHNOLOGY**  
GUNA M.P. (Near Bhopal)  
1st Private University of M.P. U/S 2(f) of the UGC Act, 1956 since, 2003  
Recognized as "Excellent University" by MP Private University Regulatory Commission

**BUILT FOR THE AGE OF INTELLIGENCE**  
**ADMISSIONS 2026**  
**Limited Seats Left, Apply Now!**

**OUR PROGRAMS**

- | B.Tech. in: CSE | CSE (Cyber Security)
- | CSE (AI and ML) | CSE (Data Science) | ECE
- | EE (VLSI Design and Technology) | Civil Engg.
- | Chemical Engg. | Mechanical Engg.
- | Mechanical and Mechatronics (Additive Manufacturing)
- | B.Tech. - 2nd Year (Lateral Entry)
- | BBA | M.Tech | M.Sc | Ph.D
- | Diploma: Civil Engg. and Mechanical Engg.

**SALIENT FEATURES**

- 123 Acres Sprawling Campus on Agra - Mumbai Highway
- 120 Minutes Drive from Bhopal

Rated **AAA+** by Careers 360 Consecutively for 2025 and 2026

**RANKED IN THE 2026** INTERDISCIPLINARY SCIENCE RANKINGS

**STUDENT EXCHANGE PROGRAM**

Students have the option to study one semester at **JIIT, Noida** with Credit Transfer.

**SCHOLARSHIPS AVAILABLE FOR ALL COURSES**

**Centralized Placements** | **Digitally Connected Campus** | **World Class AI Labs** | **High Performance Computing**

**Startup Incubation Hub** | **International Tie Ups** | **Global Alumni Network** | **Modern Hostels & Nutritious Dining**

**₹44.14 Lakhs** | **₹8.40 Lakhs** | **350+** | **95%+**  
**Highest Package** | **Average Package** | **Regular Recruiters** | **Campus Placements**  
*Best in Industry* | *In Last 5 Years*

**OUR PROMINENT RECRUITERS**

Infosys | amazon | Microsoft | Google | ERICSSON | HCL | cognizant | many more...

**Apply online:** [juet.ac.in/jaypee/admission](http://juet.ac.in/jaypee/admission) | [www.juet.ac.in](http://www.juet.ac.in)  
☎ 8982129100 | 📞 8982129105 | ✉ admissions@juet.ac.in  
📍 A-B Road, Raghogarh, Distt.- Guna (M.P.), PIN- 473226, India



**खबर संक्षेप**

**पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल शर्मा का निधन**  
शिमला। भारतीय सेना के 14वें पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल विश्वनाथ शर्मा का शुक्रवार को 96 वर्ष की आयु में दिल्ली में निधन हो गया। कांगड़ा जिले की पालमपुर तहसील के डाढ़ गांव से संबंध रखने वाले जनरल शर्मा ने मेजर के रूप में 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में लाहौर सेक्टर में मोर्चा संभाला। उनका जन्म वर्ष 1930 में हुआ था। उन्हें वर्ष 1950 में भारतीय सेना की 16वीं लाइट कैवेलरी में कमीशन मिला। उन्होंने 1 मई 1988 से 30 जून 1990 तक भारतीय सेना के 14वें थल सेनाध्यक्ष के रूप में सेवाएं दीं।

**एएन प्रमोद डिटी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ बने**

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने शनिवार को भारतीय नौसेना के डिटी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ के तौर पर पदभार संभाल लिया है। उन्होंने वाइस एडमिरल तरुण सोबती की जगह जिम्मेदारी संभाली है, जो 31 जुलाई को 38 वर्षों से अधिक की सेवा के बाद रिटायर हुए। एएन प्रमोद ने ऑपरेशन सिंदूर, गलवान झड़प के बाद नौसेना के ऑपरेशन स्ने लेपर्ड और 1999 के ऑपरेशन विजय में अहम जिम्मेदारी निभाई थी। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद भारतीय नौसेना अकादमी, गोवा के 38वें इंटीग्रेटेड कैडेट कोर्स के पूर्व छात्र हैं।

**सीबीआई ने दर्ज किया अनिल अंबानी पर केस**

नई दिल्ली। सीबीआई ने ईपीएफओ के निवेश से जुड़े एक मामले में एफआईआर दर्ज करते हुए रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, इसके पूर्व चेरयमैन अनिल धीरूभाई अंबानी कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारी और अन्य को पाटी बनाया है। ईपीएफओ ने कहा कि उसके साथ धोखाधड़ी करके करीब 1816 करोड़ का आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। इसमें 1,007.55 मूल रकम है, जबकि 808.67 करोड़ का ब्याज भी शामिल है। ईपीएफओ ने रिलायंस कैपिटल में 2500 करोड़ का निवेश किया था।

**ट्रंप ने फिर दी ईरान पर हमले की धमकी**

एजेसी ► वॉशिंगटन  
पश्चिम एशिया में बीते पांच महीनों से जारी भीषण संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सेना को ईरान पर बड़े हमले करने की मंजूरी दी है। अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर अब तक की सबसे बड़ी बमबारी कर सकते हैं। इस मामले में ट्रंप ने दो टूक अंदाज में कहा कि अमेरिका ईरान पर इतना जोरदार हमला करेगा कि आखिरकार ईरान हार मानने पर मजबूर हो जाएगा।

**पर्चे पर लिखा मिला बम बनाने का तरीका! अयोध्या के कॉलेज में मचा हड़कंप हिरासत में लिए 3 छात्र, जांच शुरू**

एजेसी ► अयोध्या  
यूपी के अयोध्या जिले में स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में शनिवार सुबह कॉलेज के एक्स-रे विभाग की एक दर्राज से बम बनाने की कथित विधि से जुड़ा एक संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुआ। मामला सामने आते ही कॉलेज प्रशासन ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सुरक्षा

**स्पेन-मोरक्को सीमा संकट**

एजेसी ► मैड्रिड  
स्पेन और मोरक्को के बीच चल रहे सेउटा सीमा संकट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेनिश सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। मारे गए लोगों में से कुछ की मौत समुद्र में डूबने से हुई, जबकि कुछ समुद्री दीवार यानी ब्रेकवाटर बैरियर पार करते समय मची भगदड़ का शिकार हो गए। गुरुवार और शुक्रवार के बीच लगभग 60,000 प्रवासियों ने स्पेन के इस छोटे से क्षेत्र की सीमा में घुसपैठ की। इस भारी घुसपैठ के बाद, स्पेन ने घोषणा की है कि वह समुद्र में ब्रेकवाटर बाड़ के साथ-साथ 500 मीटर लंबा एक नया कंटेनमेंट बैरियर स्थापित कर रहा है।

**67 प्रवासियों की मौत, हजारों लोग लौटे, कई समुद्र में डूबे**

इस भारी घुसपैठ के बाद, स्पेन ने घोषणा की है कि वह समुद्र में ब्रेकवाटर बाड़ के साथ-साथ 500 मीटर लंबा एक नया कंटेनमेंट बैरियर स्थापित कर रहा है



**प्रवासियों पर सेना की कार्रवाई**

शनिवार की सुबह जो कुछ थके-हारे प्रवासी तैरकर सेउटा के शहरी ताराजल समुद्र तट पर पहुंचे, उनका सामना वहां तैनात सैनिकों से हुआ। सैनिकों ने उन्हें तुरंत वापस सीमा पार खदेड़ दिया।

**► मोरक्को पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी**

मोरक्को की पुलिस ने सीमा पर जुटी भीड़ को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठियों का इस्तेमाल किया। भीड़ को काबू करने के लिए वाटर कैनन को गाड़ियां भी तैनात की गईं। झड़पों के दौरान एक बस और सात कारों को आग के हवाले कर दिया गया।

**पहलगाम जैसा कुलगाम आतंकी हमला, धर्म पूछकर मारी थी गोली**

**दूसरे श्रमिक ने भी तोड़ा दम, पेट में लगी थी गोली, एलजी ने कड़ी सुरक्षा के दिए निर्देश**

एजेसी ► श्रीनगर

कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम हुए आतंकी हमले में गंभीर रूप से घायल गैर-स्थानीय श्रमिक ने शनिवार तड़के श्रीनगर के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही इस हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक, कुलगाम जिले के दक्षिण कश्मीर स्थित केलम इलाके में शुक्रवार देर शाम ईंट भट्टे पर हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के रहने वाले दीपक रात्रे और भूपेंद्र, दोनों की उम्र करीब 20 वर्ष, को निशाना बनाया गया था। हमले में दीपक रात्रे ने अस्पताल ले जाने से पहले ही दम तोड़ दिया, जबकि भूपेंद्र को पहले जोएमसी अर्नतनाग ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के एस्केआईएमएस सौरा रेफर किया गया जब इलाज के दौरान शनिवार तड़के उनकी मौत हो गई। दीपक के सीने में गोली लगी थी।

**छग सीएम साय ने 20-20 लाख की सहायता का किया ऐलान**



**► निर्दोषों की हत्या अमानवीय**

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए सीएम राहत कोष (सीएमआरएफ) से 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। यह सहायता जिला प्रशासन की ओर से दी जा रही 6-6 लाख रुपये की तत्काल राहत के अतिरिक्त होगी। सीएम ने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या अत्यंत निंदनीय और अमानवीय है। उन्होंने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में शोककुल परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

**सरकार पीड़ित परिवार के साथ: साय**

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने दोनों मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सीएम ने कहा कि इस तरह आतंकियों द्वारा हत्या बेहद दुखद और अमानवीय घटना है। राज्य सरकार इस कठिन समय में दोनों परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

**आतंकी विरोधी अभियान में लाएं तेजी**

उपराज्यपाल ने सुरक्षा एजेंसियों को आतंकियों के खिलाफ सटीक और प्रभावी आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने के निर्देश देते हुए कहा कि आतंकियों का जल्द से जल्द सफाया किया जाना चाहिए। उन्होंने कुलगाम हमले में मारे गए मजदूरों के अंतिम संस्कार को सम्मानजनक ढंग से संपन्न कराने और शोक संतप्त परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में जारी अमरनाथ यात्रा मार्ग की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

**► एलजी सिन्हा ने की बैठक**

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को बाहरी राज्यों से आए मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे बाहरी मजदूरों की सुरक्षा के लिए एसओपी की व्यापक समीक्षा की जाए।

**तेहरान ने तोड़ा एमओयू**

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि तेहरान ने पिछले महीने अमेरिका के साथ सुखविराम संबंधों एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन इसके तुरंत बाद उसने उसे तोड़ दिया, वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया और अमेरिकी सैनिकों की हत्या की। राष्ट्रपति ट्रंप इस तरह की आतंकवादी हरकत बर्दाश्त नहीं करेंगे। जब तक ईरान राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार सार्थक तरीके से बातचीत की मेज पर नहीं आता, तब तक उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

**क्रैश हुआ एफ-35बी स्टील्थ फाइटर जेट**

अमेरिका के सैन डिगो में मिरामार एयर बेस के पास एफ-35बी स्टील्थ फाइटर जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ये हादसा स्थानीय समयानुसार शुक्रवार को हुआ। मरीन कोर्प्स ने कहा कि पायलट इंजेक्ट हो गया था और उसे ऐसी चोटें आईं जिनसे जान को खतरा नहीं है। जांच और इलाज के लिए उसे स्थिर हालत में स्थानीय मेडिकल सेंटर ले जाया गया।

**कनाडा की भारतीय कामगारों को चेतावनी**

**वर्क परमिट की शर्तों पर काम करो, नहीं तो देश से निकालेंगे**



एजेसी ► ओटावा

कनाडा में इमिग्रेशन से जुड़े नियम लगातार सख्त किए जा रहे हैं। इसका असर सीधे तौर पर यहां काम कर रहे भारतीय कामगारों पर भी पड़ रहा है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) की तरफ से कहा

गया है कि अगर कोई देश में बिना ऑथराइजेशन के जॉब करता है, तो इसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। उसे देश से बाहर निकाला जा सकता है और कनाडा में एंट्री से 5 साल के लिए बैन किया जा सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि आईआरसीसी के पास उनका एक फ्रॉड रिकॉर्ड भी बन सकता है। बिना इजाजत के काम करने से भविष्य में वीजा और परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) के आवेदनों पर भी असर डालता है और साथ ही, इससे काम करने वालों के शोषण का खतरा भी बढ़ जाता है।

**पीएम मोदी ने ब्रिटेन के नवनियुक्त पीएम बर्नहैम को दी बधाई**

**भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर हुए सहमत**

एजेसी ► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के नवनिर्वाचित पीएम एंडी बर्नहैम ने टेलीफोन पर बातचीत कर भारत-ब्रिटेन



प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। पीएम नरेंद्र मोदी ने एंडी बर्नहैम को ब्रिटेन का पीएम बनने पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

**व्यापार और निवेश के नए अवसरों पर जोर**

पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया है। हाल ही में लागू हुए भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते से व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे, जिनका उपयोग दोनों देश सरकारों और नागरिकों के कल्याण के लिए करेंगे। एंडी बर्नहैम ने भारत-ब्रिटेन संबंधों को रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि विजन-2035 के माध्यम से दोनों देशों के बीच सहयोग को नई गति दी जाएगी। उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत जनसंपर्क और सांस्कृतिक संबंधों की भी सराहना की।

**शौर्य चक्र विजेताओं सहित पदोन्नति में पिछड़े कैडर अफसर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट**

**सीएपीएफ अधिनियम को दी मिलकर चुनौती, अगले सप्ताह होगी सुनवाई**

**सभी केंद्रीय बलों से लग रहीं याचिकाएं**

संसद में कुछ समय पहले पारित हुए सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026 को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने वाले प्रमुख याचिकाकर्ताओं में बिभोर कुमार सिंह (शौर्य चक्र विजेता) एवं अन्य बनाम भारत सरकार के अलावा 21 महिला अधिकारी भी याचिकाकर्ता हैं। फिलहाल सीआरपीएफ के लगभग 1400 याचिकाकर्ता, बीएसएफ के 500 से अधिक, आईटीबीपी के 432, सीआईएसएफ के 34 और एसएसबी के 110 कैडर अफसरों की तरफ से याचिकाएं लगाई जा चुकी हैं।

**सुको के निर्णय को सरकार ने पलटा**

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मई 2025 में सीएपीएफ के ग्रुप 'ए' कार्यपालक संवर्ग को संगठित ग्रुप 'ए' सेवा (ओजीएस) घोषित करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए थे। उनमें आईजी लेवल तक आईपीएस प्रतिनियुक्ति में चरणबद्ध तरीके से कमी लाना, नियमित कैडर समीक्षा हो, नए सेवा नियमों का निर्माण तथा दीर्घकालीन पदोन्नति ठहराव को दूर करना शामिल था। केंद्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ संसद में 'सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026' पारित करा दिया। अफसरों, मौजूदा अधिकारियों को सुको में उक्त विधेयक को चुनौती देने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचा है।

**मोरक्को के रास्ते स्यूटा पहुंचना सबसे आसान रास्ता**

**यूरोप में घुसपैठ के 7 प्रमुख रूट**

यूरोपियन बॉर्डर एंड कोस्ट गार्ड एजेंसी फ्रॉटेक्स के अनुसार, यूरोप में घुसपैठ के 7 प्रमुख रास्ते हैं। सेंट्रल मेडिटेरेनियन रूट, ईस्टर्न मेडिटेरेनियन रूट, वेस्टर्न अफ्रीकन (अटलांटिक) रूट, वेस्टर्न बाल्कन रूट, वेस्टर्न मेडिटेरेनियन रूट, ईस्टर्न बॉर्डर्स रूट और इंग्लिश चैनल रूट हैं।

**स्यूटा और मेलिला को लेकर स्पेन-मोरक्को में विवाद**

मोरक्को पिछले 80 साल से स्यूटा और मेलिला पर अपना दावा करता रहा है, जबकि स्पेन इन दोनों शहरों को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और इस मुद्दे पर किसी तरह की बातचीत से इनकार करता

**स्यूटा से ही यूरोप में घुसने की सबसे ज्यादा कोशिश**

स्यूटा में अफ्रीका और यूरोप की सीधी जमीनी सीमा मिलती है। यह भौगोलिक तौर पर अफ्रीका में है, लेकिन यह स्पेन और यूरोपीय संघ का हिस्सा है। किसी भी इंसान के स्यूटा में घुसते ही वह यूरोप की सीमा में पहुंच जाता है। इसलिए बेहतर जिंदगी की तलाश में लोग सबसे ज्यादा इस रास्ते को चुनते हैं। स्यूटा और मोरक्को के बीच लगभग 8 किमी लंबी ऊंची बाड़ लगी है।

है। मोरक्को को 1956 में स्पेन से आजादी मिली थी। हालांकि, स्पेन ने स्यूटा और मेलिला को आजाद नहीं किया। मोरक्को का कहना है कि स्यूटा और मेलिला भी उसे वापस मिलने चाहिए।

**पीओके हिंसा की आग लाहौर पहुंची प्रदर्शनकारियों पर पाक पुलिस का एक्शन, कई लोग हिरासत में**



एजेसी ► लाहौर

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अशांति लगातार बढ़ रही है। पिछले चार दिनों में पाकिस्तानी सेना की कब्जे वाले क्षेत्र में की गई क्रूर कार्रवाई में 4 दिनों में 50 से अधिक लोग मारे गए हैं। वहीं, सैकड़ों घायल हुए हैं। पीओके में हिंसा की आग लाहौर तक पहुंची। लाहौर प्रेस क्लब के बाहर पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को हिरासत में लिया है। ये लोग पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हुई हिंसा के खिलाफ एकजुटता जताने के लिए इकट्ठा हुए थे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्लेकार्ड और पीओके के झंडे थे और वे नारे लगा रहे थे। जैसे ही रैली शुरू हुई, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कार्रवाई की और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए लोगों को अपनी गाड़ियों में बिठाया और प्रदर्शन को खत्म करा दिया।

**► यूएन के अधिकारियों के साथ बैठक**

इसके अलावा, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के अध्यक्ष सरदार शकेत अली कश्मीरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने ब्यूरोक्रेट में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कई बैठकों की, ताकि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को पीओके में पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई क्रूरताओं के बारे में जानकारी दी जा सके। इन बैठकों के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पीओके में खिगड़नी मानवाधिकार स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। इसने संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय समुदाय, सरकारों, मानवाधिकार संगठनों और लोकतांत्रिक संस्थानों से क्षेत्र में और अधिक जागरण के नुकसान को रोकने और मौलिक मानवाधिकारों की रक्षा के लिए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने का आवाह किया।

**एचआरएफ ने हमले की निंदा की**

इस बीच, अमेरिका स्थित मानवाधिकार संस्था ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (एचआरएफ) ने शनिवार को पीओके में निहत्थे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई तौर पर बल प्रयोग की कड़ी निंदा की। संगठन ने पाकिस्तानी अधिकारियों से हिंसक कार्रवाई समाप्त करने, गोबाइल संचार बहाल करने और बल के सभी गैरकानूनी उपयोग के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने का आह्वान किया। एचआरएफ ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने पीओके में प्रदर्शनों के दौरान हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। विरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने दावा किया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने सबूतों को छिपाने की कोशिश की है। पाकिस्तान ने अस्पतालों से शवों को हटा दिया और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।



देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को मिला सम्मान, सभी अतिथियों ने भी उनकी अहम भूमिका को सराहा

81 वर्षीय डोभाल भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले एनएसए हैं और अभी इस पद पर बने हुए हैं। अपने लंबे करियर में उन्होंने मिजोरम, सिक्किम, पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाकों में काम किया है। इस्लामाबाद और लंदन में भारतीय मिशनों में भी उनकी अहम भूमिका रही। डोभाल भारत-चीन सीमा वातां के लिए भारत के 2017 में डोकालम गतिरोध को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने में उनकी भूमिका विशेष रूप से सराहा गया था।

लोकमान्य तिलक पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1983 में पुणे द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार हर साल 1 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर उन्हें दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति, विकास और सामाजिक उत्थान में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। सबसे पहले यह पुरस्कार समाजवादी नेता एसएम जोशी को प्रदान किया गया था।

डोभाल ने युवाओं को संदेश दिया है कि सिर्फ अपने मन की करना ही आजादी का उद्देश्य नहीं है। हमें अपने व्यक्तिगत हितों की बजाय देश के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। आज युवा यह सोच सकते हैं कि वह जो चाहें वैसा करने की आजादी है, लेकिन ऐसा नहीं है। निजी हित त्यागने होंगे।

उन्होंने कहा कि  
सौभाग्य है कि  
हमारे पास  
पीएम नरेंद्र मोदी  
और गृहमंत्री  
अमित शाह  
जैसे नेता हैं।  
तिलक से हमें  
प्रेरणा लेनी  
चाहिए।

डाभोल ने कहा कि भारत अपने इतिहास के अम पड़ाव से गुजर रहा है। हमारे देश के इतिहास में यह अहम मौका आया है, इसे हमें फिसलने नहीं देना चाहिए। हमारी प्राथमिकता फिलहाल यही है कि राष्ट्र निर्माण किया जाए।

**इन्वेस्टमेंट से रोजगार' को बताया केंद्र सरकार का मूल मंत्र  
इससे मैज्युफैक्चरिंग बढ़ेगी, लोगों की जिंदगी बेहतर बनेगी**

**पेट्रोल चुनने में लोगों को विकल्प दें, कीमतें घटाएं**  
 केजरीवाल बोले- पीएम आवास तक निकालेंगे मार्च तहसीन ने ई-20 ईंधन के खिलाफ खोला मोर्चा

आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से शनिवार को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में काई-20 के खिलाफ नेशनल टाउन हॉल कार्यक्रम किया गया। इसमें आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, मशहूर कॉमिडियन रमया रंगीला, पॉपुलर यू-ट्यूबर मनोहर कश्यप के अलावा कार-बाइक की मरम्मत करने वाले मैकेनिक भी शामिल हुए। केजरीवाल ने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर लोगों को एथनॉल मिला हुआ ई-20 और निथामेट पेट्रोल में से चुनने का विकल्प दें। उन्होंने ई-20 पेट्रोल की कीमतों को कम करने और पेट्रोल

उत्तराखंड में नजर आएं। अभी तक ईवीएम में प्रत्याशियों की छोटी और ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर होती थी। इनमें कई तस्वीरें तो ऐसी होती थीं कि मतदाता को अपने प्रत्याशी को पहचानना मुश्किल होता था। इस बार चुनाव आयोग ने इसमें बड़ा बदलाव लागू कर दिया है।

इस बार उत्तराखंड में नेताओं की रंगीन तस्वीर ईवीएम पर दिखेंगी। राजनीतिक दलों का बस्ता अब मतदान केंद्र से केवल 100 मीटर नजर आएगा। आयोग के ये बदलाव आगामी विधानसभा चुनाव में तब तक ईवीएम में प्रत्याशियों की छोटी होती थी। इनमें कई तस्वीरें तो ऐसी प्रत्याशी को पहचानना मुश्किल होंगी। इसमें बड़ा बदलाव लागू कर दिया

सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन  
पूनावाला ने आरोप लगाया कि  
दिल्ली पुलिस ने  
उन्हें ग्रेटर  
कैलाश में हाउस  
अरेस्ट किया।  
यह कार्रवाई ई-  
20 ईधन नीति  
के खिलाफ उनके अकेले प्रदर्शन  
और भूख हड़ताल से पहले हुई।  
उन्होंने दावा किया पुलिस उनके  
घर पहुंची। निकलने से रोका।

पूनावाला ई-20 ईंधन नातिन क खिलाफ अभियान चला रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मंत्री नितिन गडकरी की आलोचना की है। उनकी मांग है कि उपभोक्ताओं को ई-20 ईंधन क बजाए ई-5 और ई-10 ईंधन मिश्रण के साथ पारंपरिक पेट्रोल खरीदने का विकल्प मिले।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर को दी विकास की अनेक सौगातें

# जबलपुर बनेगा मेट्रोपॉलिटन सिटी मेडिकल विश्वविद्यालय होगा विकसित

जबलपुर को शिक्षा, उद्योग और पर्यटन का अग्रणी शहर बनाएंगे: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सेवा, सुशासन और जनकल्याण का नया अध्याय लिख रहा है तथा मध्यप्रदेश सरकार उसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि निःशुल्क राशन, पक्के आवास, हर घर नल से जल, शौचालय, आयुष्मान भारत योजना, स्वरोजगार और स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में घंटाघर स्थित गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे। उन्होंने यहां 362.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 'अमृत 1.0' सीवेज परियोजना और कठौदा, ललपुर व तेवर में बने तीन बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया। सिविल लाइन में आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडर्न लॉन्ड्री की सौगात दी। वहीं, गुरंदी में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से बने नए पक्के मत्स्य विक्रय केन्द्र का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में जबलपुर के समग्र विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि संस्कारधानी जबलपुर वीरंगना रानी दुर्गावती के शौर्य, मां नर्मदा के आशीर्वाद और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जबलपुर को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को एक वर्ष के भीतर इसका विस्तृत प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए। डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर स्थित मेडिकल विश्वविद्यालय को भविष्य में एम्स की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे महाकौशल क्षेत्र को विश्वस्तरीय चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मदन महल क्षेत्र में आधुनिक प्राणी उद्यान (जू) एवं रेस्क्यू सेंटर विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही जबलपुर में फर्नीचर क्लस्टर स्थापित कर स्थानीय कारीगरों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के विधानसभा क्षेत्रों में भी भूमि उपलब्ध होने पर ऐसे विद्यालय स्थापित करने की घोषणा भी मंच से की। मुख्यमंत्री ने जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना तथा अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी भूमि उपलब्ध होने पर ऐसे विद्यालय स्थापित करने की घोषणा की।



## 11 लाख पौधों के वृक्षारोपण अभियान

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए जबलपुर में 11 लाख पौधों के वृक्षारोपण अभियान को महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक सघन वृक्षारोपण पद्धति (मियावाकी) से कम भूमि पर अधिक पौधे लगाए जा रहे हैं, जिससे कम समय में हरित क्षेत्र का विस्तार होगा और जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश का ऐसा राज्य है, जहां मां नर्मदा सहित अनेक जीवनदायिनी नदियों का उद्गम होता है, इसलिए जल, जंगल और पर्यावरण का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

## नई ऊंचाइयों को छू रहा जबलपुर : महापौर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व, मार्गदर्शन और विजन के अनुरूप जबलपुर में विकास कार्यों को तेजी से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत योजना के अंतर्गत सीवेज नेटवर्क, हर घर नर्मदा जल पहुंचाने सहित अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन हुआ है, जिनका लोकार्पण मुख्यमंत्री के करकमलों से होना शहर के लिए गौरव का विषय है।

## जबलपुर विकास का नया मॉडल : सांसद

सांसद आशीष दुबे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास, सुशासन और सामाजिक समरसता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को प्रदेश में धरातल पर उतारने का कार्य मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर रहे हैं, जिसका प्रत्यक्ष लाभ जबलपुर सहित पूरे प्रदेश को मिल रहा है। सांसद श्री दुबे ने कहा कि अमृत फेस-1 परियोजना के लोकार्पण से जबलपुर को आधुनिक शहरी सुविधाओं का नया स्वरूप मिला है। इसके साथ ही रजक समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त लॉन्ड्री परिसर तथा अत्याधुनिक मत्स्य विक्रय केंद्र का निर्माण मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और सभी वर्गों के समावेशी विकास के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से समाज के विभिन्न वर्गों को बेहतर सुविधाएं और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

## सुशासन का नया अध्याय लिख रहा है मध्यप्रदेश : विधायक

कार्यक्रम को विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और फायर सेफ्टी एक्ट जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लेकर प्रदेश में नई मिसाल कायम की है। फायर सेफ्टी एक्ट लागू होने से व्यापारी वर्ग सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। विधायक डॉ. पांडे ने मुख्यमंत्री से शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय स्वीकृत करने का आग्रह किया।

## यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकी, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक सुशील कुमार तिवारी इंदु, विधायक नीरज सिंह, विधायक संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विनोद गोंटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा के निष्ठांगजन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष संदीप रजक, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा के जिला (ग्रामीण) अध्यक्ष राजकुमार पटेल, संदीप रजक सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री ने डुमना नेचर पार्क से शुरू किया ‘कैच द रेन’ अभियान, शहर में लगेंगे 11 लाख पौधे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को डुमना नेचर पार्क से प्रदेशव्यापी 'कैच द रेन' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए नगर निगम के मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधरोपण महाअभियान की भी शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बरगद, पीपल और नीम के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जल और प्रकृति का संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वर्षा की प्रत्येक बूंद का संरक्षण कर भू-जल स्तर को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने मियावाकी पद्धति को वैज्ञानिक एवं प्रभावी तकनीक बताते हुए कहा कि इससे कम समय में घने और आत्मनिर्भर वन विकसित किए जा सकते हैं।

इस अवसर पर डुमना नेचर पार्क में वर्षा जल संचयन प्रणाली (रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम) का भी शुभारंभ किया गया। इस प्रणाली के माध्यम से 10 हजार वर्गफुट रूफ एरिया से प्राप्त वर्षा जल को 30 फीट



गहरे रिचार्ज बोर के जरिए भू-जल में पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील कुमार तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, नीरज सिंह एवं संतोष वरकड़े, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष विनोद गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

**क्या है मियावाकी पद्धति-** मियावाकी पद्धति जापान के वनस्पति वैज्ञानिक डॉ. अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित वृक्षारोपण तकनीक है। इसमें स्थानीय प्रजातियों के पौधों को सघन रूप से लगाया जाता है, जिससे कम समय में घना एवं प्राकृतिक वन विकसित होता है। यह तकनीक जैव विविधता बढ़ाने, कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में सहायक मानी जाती है।

## बैंक ऑफ बड़ौदा का वैश्विक कारोबार

30.50 लाख करोड़ रुपये के पार

जबलपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 30 जून 2026 को समाप्त पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करते हुए मजबूत व्यवसाय वृद्धि और बेहतर आस्ति गुणवत्ता का प्रदर्शन किया है। बैंक का वैश्विक कारोबार 15.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 30,50,457 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। तिमाही के दौरान वैश्विक अग्रिमों में 17.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंदोलन में 25.3 प्रतिशत और मॉर्गेज ऋण में 27.4 प्रतिशत की वृद्धि के कारण ऑर्गेनिक रिटेल अग्रिम वर्ष-दर-वर्ष 18.4 प्रतिशत बढ़े। वहीं वैश्विक जमाओं में 13.8 प्रतिशत और घरेलू कासा जमाओं में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बैंक की निवल व्याज आय 9.5 प्रतिशत बढ़कर 12,524 करोड़ रुपये रही, जबकि समझौता भुगतान को छोड़कर निवल लाभ 5,528 करोड़ रुपये होता। आस्ति गुणवत्ता में भी सुधार जारी रहा। सकल एनपीए घटकर 1.99 प्रतिशत और निवल एनपीए 0.50 प्रतिशत पर आ गया। 93.28 प्रतिशत के प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) और 16.30 प्रतिशत के पूंजी पर्याप्तता अनुपात के साथ बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है।

## महाराजपुर में बनेगा नया थाना

28.59 करोड़ की पुलिस परियोजनाओं का किया लोकार्पण



जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को जबलपुर में मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम की लगभग 28 करोड़ 59 लाख रुपये लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण करते हुए पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक-संपन्न बनाने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि प्रभावी कानून-व्यवस्था और सुशासन के लिए आधुनिक पुलिस व्यवस्था समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर महाराजपुर में नए थाना भवन के निर्माण तथा पुलिस लाइन एवं अन्य इकाइयों में मेस, बैरक और आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिए धनराशि उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकी, लोकसभा सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी 'इंदु', नीरज सिंह, डॉ. अभिलाष पांडे एवं संतोष वरकड़े, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर तथा भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल मंचासीन रहे।



## तिलवारा थाना भवन का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घमापुर थाना परिसर में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 22 करोड़ 57 लाख 92 हजार रुपये की लागत से निर्मित आरक्षकी एवं प्रधान आरक्षकों के लिए 96 आवास गृह, तिलवारा में मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के 3 करोड़ 21 लाख 80 हजार रुपये की लागत से बने संगमरीय कार्यालय भवन तथा 2 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक तिलवारा थाना भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व्यापक व्यवस्था और पुलिस प्रणाली में व्यापक सुधार हुए हैं। प्रदेश के 1117 थानों और 692 वरिष्ठ कार्यालयों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। त्वरित और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पुलिसकर्मियों को 25 हजार टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। ई-समर्स, ई-साक्ष्य पोर्टल, एनसीआरपी, 1930 हेल्पलाइन और ई-जीरो एफआईआर जैसी व्यवस्थाओं से पुलिस सेवाएं अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनी हैं।



## मजबूत कानून-व्यवस्था से विकास को मिलेगी गति

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि किसी भी राज्य के विकास की मजबूत नींव प्रभावी कानून-व्यवस्था होती है। आधुनिक थाना भवन और बेहतर अधोसंरचना पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ जनता का विश्वास भी मजबूत करते हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बदलती तकनीक के अनुरूप अपराध नियंत्रण और जन्मसेवा को अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

## 564 पुलिस आवास तथा दो नए थाना कार्य प्रगति पर

विशेष पुलिस महानिरीक्षक एवं मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के प्रबंध संचालक अनंत कुमार सिंह ने बताया कि जबलपुर जिले में वर्तमान में लगभग 115 करोड़ रुपये की लागत से 564 पुलिस आवास तथा दो नए थाना भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि निगम अब तक प्रदेश में 40 हजार से अधिक पुलिस आवास और दो हजार से अधिक प्रशासनिक भवनों का निर्माण कर चुका है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने स्मृति स्वरूप वीरंगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम का शुभारंभ छठवीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल के बंड दल द्वारा वंदे मातरम की धुन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ तथा समापन जन-गण-मन की धुन के साथ हुआ। कार्यक्रम में आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह तथा पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।



## शिलपुरी में दर्दनाक हादसा: नाले में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत, गांव में पसरा मातम

बरेला। थाना क्षेत्र के ग्राम शिलपुरी में शनिवार को एक हृदयविदारक हादसे में दो मासूम बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई। आंगनवाड़ी से छुट्टी के बाद नहाने गए पांच-छह वर्षीय दो बच्चे गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी जान चली गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आंगनवाड़ी स्कूल की छुट्टी के बाद दोनों बच्चे अपने साथियों के साथ गांव के पास स्थित नाले में नहाने पहुंचे थे। दोपहर करीब 2 बजे नहाने के दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। काफी देर तक बच्चों के घर नहीं लौटने पर ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। बाद में नाले में डूबने की जानकारी मिलने पर परिजनों को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही बरेला थाना पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान साहिल परस्ते (पिता सुकराम, उम्र करीब 6 वर्ष) और रोमिक पट्टा (पिता रोहन, उम्र करीब 5 वर्ष) के रूप में हुई है। हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बरेला थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। घटना ने एक बार फिर बच्चों की सुरक्षा और जल स्रोतों के आसपास सतर्कता की जरूरत को उजागर कर दिया है।

मंडला के उद्यान अधिकारी की मौत के मामले में निरस्त कर दिया हाई कोर्ट का फैसला

## सेवानिवृत्ति के आधार पर मुआवजा घटाना सुप्रीम कोर्ट को मंजूर नहीं

सड़क दुर्घटना में आय का मूल आधार खोने वाले परिवार को 72.06 लाख रुपये क्षतिपूर्ति

जबलपुर। सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले मंडला जिले के मोहगांव निवासी उद्यान अधिकारी विश्राम सिंह के परिवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने सेवानिवृत्ति के आधार पर क्षतिपूर्ति राशि घटाने को उचित नहीं माना। कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट, जबलपुर के 10 जुलाई 2024 के फैसले को निरस्त करते हुए हाई कोर्ट द्वारा गणना की गई 72 लाख 6 हजार 186 रुपये की पूरी क्षतिपूर्ति राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया है। इस राशि पर दावा याचिका दायर करने की तारीख से ब्याज भी देय होगा।

यह मामला सात मार्च 2018 का है। विश्राम सिंह मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी एमपी-09-एफए-1431 नंबर के वाहन ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें ठक्कर मार दी। गंभीर चोटों के बाद



### मुआवजे की राशि :

- एमएसीटी : 36.59 लाख रुपये

- हाई कोर्ट : 52.16 लाख रुपये

- सुप्रीम कोर्ट : 72.06 लाख रुपये

- ब्याज सहित : लगभग एक

करोड़ रुपये

उनकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना में वाहन की संपत्तता, बीमा, चालक की लापरवाही और मृत्यु के तथ्य विवादित नहीं रहे।

याचिकाकर्ता सुशीला धुवे सहित अन्य अपीलार्थियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता अश्वत श्रीवास्तव ने पेरवी की। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में अधिवक्ता विनोद मिश्रा, विवेक चौधरी, योगेश गुप्ता व हाई कोर्ट में गोपाल शर्मा और प्रदीप परसाई ने पीड़ित परिवार की ओर से पक्ष रखा। सभी चरणों में क्षतिपूर्ति कम आंके जाने को अनुचित करार दिया गया।

### पहले 36.59 लाख, हाई कोर्ट ने 52.16 लाख किया

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, एमएसीटी, जबलपुर ने परिवार को 36 लाख 59 हजार 839 रुपये क्षतिपूर्ति दी थी। बीमा कंपनी की अपील पर हाई कोर्ट ने गणना करते हुए क्षतिपूर्ति 72 लाख 6 हजार 186 रुपये निर्धारित की, लेकिन पारिवारिक पेंशन को आय में शामिल करते हुए नौ का मल्टीप्लायर और बिना भविष्य की संभावनाओं के आधार पर राशि 52 लाख 16 हजार 377 रुपये तक सीमित कर दी।

मौत को दावत दे रहा

## तिलवारा का पुराना पुल

रील और सेल्फी के लिए जान जोखिम में डाल रहे लोग

जबलपुर। जबलपुर में बारिश के साथ नर्मदा का जलस्तर बढ़ने लगा है। तिलवाराघाट का पुराना छोटा पुल पानी में समाने लगा है, लेकिन खतरे के बावजूद यहां लोगों की आवाजाही और रील-सेल्फी का सिलसिला जारी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि मौके पर न तो पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था दिखाई दे रही है और न ही लोगों को रोकने के लिए प्रभावी निगरानी।बारिश के मौसम में तिलवाराघाट का पुराना छोटा पुल हर साल खतरे का केंद्र बन जाता है। जैसे-जैसे नर्मदा का जलस्तर बढ़ता है, पुल का बड़ा हिस्सा पानी में डूबने लगता है। इसके बावजूद लोग सुरक्षा अवरोध पार कर पुल तक पहुंच रहे हैं और उफनती नदी के बीच रील बनाने व सेल्फी लेने का जोखिम उठा रहे हैं।विडंबना यह है कि पूर्व में रील बनाने के दौरान दो युवकों की जान जा चुकी है, फिर भी हालात में कोई खास बदलाव नहीं दिख रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में यहां सुरक्षा व्यवस्था केवल कामजो तक सीमित नजर आती है। ग्वारीघाट, तिलवाराघाट, भेड़ाघाट और बरगी जैसे नर्मदा तटों पर इन दिनों बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। कई लोग चेतावनी के बावजूद तेज बहाव वाले इलाकों में उतर जाते हैं, जिससे हादसों का खतरा लगातार बना हुआ है।

निःशुल्क श्रवण जांच शिविर में

## 100 से अधिक हितग्राही लाभान्वित



जबलपुर। स्व. डॉ. कैलाश नाथ मेहरा की प्रथम पुण्यतिथि पर वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक प्रा. लि. द्वारा आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क श्रवण क्षमता जांच एवं परामर्श शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर के पहले दिन 100 से अधिक शिशु, बच्चों, वयस्कों एवं बुजुर्गों को श्रवण क्षमता की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। शिविर का समापन 2 अगस्त को होगा।

क्लिनिक की डायरेक्टर डॉ. सोनल मेहरा ने बताया कि समय पर श्रवण क्षमता में कमी की पहचान होने से गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। वहीं चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा ने बताया कि अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से साउंड प्रूफ चैम्बर



में कारों की वैज्ञानिक जांच कर श्रवण क्षति की पहचान की गई तथा जरूरतमंदों को उपचार, श्रवण पुनर्वास एवं आधुनिक हियरिंग एड्स संबंधी परामर्श दिया गया। शिविर के दौरान जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क श्रवण यंत्र वितरित किए गए, जबकि डिजिटल रिचार्जैबल ब्लूटूथ हियरिंग एड्स एवं हियरिंग एसेसरीज भी रियायती दरों पर उपलब्ध कराई गईं। आयोजन में ऑडियोलॉजिस्ट मेधा साहू, आयुष दुबे, अनुप द्विवेदी, शिवम् जोशी, सियाराम पाल एवं सुमन राज ने श्रवण जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान कीं। डॉ. सोनल मेहरा ने सभी हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की बात कही।

## ग्राम नटवारा को मिली विकास की सौगातें

## श्रुति थैरेपी सेंटर एवं डे-केयर लोकार्पित

जबलपुर। शहपुरा क्षेत्र के ग्राम नटवारा में स्व. सेठ मधुसूदन दास मालपानी की स्मृति में श्रुति थैरेपी सेंटर एवं डे-केयर का लोकार्पण राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा के मुख्य अतिथ्य में किया गया। बच्चों की बेहतर देखभाल एवं समय पर उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डे-केयर की स्थापना की गई है। कार्यक्रम में मालपानी परिवार के कृष्ण मालपानी, अर्पिता मालपानी, श्रद्धा मालपानी एवं कमला देवी मालपानी द्वारा ग्राम के विकास एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर महिलाओं को सिलाई मशीन एवं इंडक्शन कुकर, बच्चों को जूते और



एलईडी बल्ब तथा गर्भवती महिलाओं को पोष्टिक आहार किट वितरित की गई। समारोह में पूर्व विधायक विनय

सक्सेना, संजय यादव, बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत

एन.एम.जे. ट्रस्ट की ट्रस्टी श्रद्धा मालपानी ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रवीण सिंह ने किया।

## दो माह से फेफड़े में फंसा पेन का कैप ब्रोंकोस्कोपी से निकाला, 11 वर्षीय बच्ची को मिली नई जिंदगी



जबलपुर। रीवा की 11 वर्षीय बच्ची के फेफड़े में पिछले दो महीने से फंसे पेन के कैप को अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स, जबलपुर में जटिल रिजिड ब्रोंकोस्कोपी के जरिए सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। समय पर हुए उपचार से बच्ची के फेफड़े को गंभीर संक्रमण और संभावित क्षति से बचाया जा सका।

बच्ची लगातार खांसी, तेज बुखार और बार-बार निमोनिया से पीड़ित थी। जांच में पता चला कि दो महीने पहले सांस के रास्ते गया पेन का कैप बाएं फेफड़े के निचले हिस्से में फंस गया था, जिसके कारण बड़ी मात्रा में पस जमा हो गई थी। इसके बाद उसे अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स रेफर किया गया। अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजी, क्रिटिकल केयर एवं स्लीप मेडिसिन डॉ. अम्बरीश जोशी ने बताया कि लंबे समय तक विदेशी वस्तु फंसे रहने से प्रक्रिया बेहद चुनौतीपूर्ण थी। पहले फेफड़े में जमा पस को निकाला गया और फिर विशेष तकनीकों से पेन का कैप सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया। उपचार के बाद बच्ची की स्थिति स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रही है। इस जटिल प्रक्रिया में एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. जोशी ने डॉ. बर्नाडेट, डॉ. अविष्पा, डॉ. मिलिंद, डॉ. सुमित तथा राठी टीम के सहयोग की सराहना की। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि यदि किसी बच्चे के सांस की नली में कोई वस्तु चली जाए या लगातार खांसी, बार-बार निमोनिया अथवा सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से संपर्क करें, क्योंकि समय पर ब्रोंकोस्कोपी जैसी आधुनिक प्रक्रिया गंभीर जटिलताओं से बचा सकती है।



## सेंट एलॉयसियस रिमझा में शपथ ग्रहण के साथ रजत जयंती समारोह का शुभारंभ

जबलपुर।

सेंट एलॉयसियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रिमझा में शपथ ग्रहण समारोह के साथ विद्यालय के रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ उत्साह और गरिमा के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि बिशप डॉ. जे.जी. वल्लन अरासु रहे, जबकि बिशप एमेरिटस जेराल्ड अल्मेडा एवं फादर जॉर्ज पी.ए. विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य फादर सोमी जैकब, उप-प्राचार्य रचना आहुजा एवं कार्यक्रम प्रभारी रोनाल्ड नारायण मौजूद रहे। दीप प्रज्वलन एवं स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नेतृत्व, अनुशासन और टीम भावना का संदेश दिया। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए श्रद्धा नेमा ने स्कूल कैप्टन, नंदिरा पांडेय ने वाइस कैप्टन तथा अनन्या कोटा ने स्पोर्ट्स कैप्टन के रूप में शपथ ग्रहण की। अतिथियों ने छात्र-नेताओं को बैज एवं विद्यालय ध्वज प्रदान कर उनके दायित्व सौंपे। इस अवसर पर विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'ईन्विक्टस 2026-27' का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि ने छात्र-नेताओं को सत्यनिष्ठा, समर्पण और सेवा-भाव से दायित्व निभाने की प्रेरणा दी, जबकि प्राचार्य फादर सोमी जैकब ने नव-निर्वाचित परिषद को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के आदर्शों का प्रतिनिधित्व करने का आह्वान किया। उत्साह और प्रेरणा से ओतप्रोत यह समारोह विद्यालय के रजत जयंती वर्ष की गौरवपूर्ण शुरुआत बना।

## ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा की प्रदेश महिला कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर।

ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा की प्रदेश महिला कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें मीरा दुबे को प्रदेश अध्यक्ष एवं रेणुका तिवारी को महासचिव नियुक्त किया गया, दोनों पदाधिकारी ने मिलकर अपनी नई कार्यकारिणी घोषित की जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वसिंता मालवीय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुजिति बाजपेई, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ममता उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनेला दुबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बबिता शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कल्पना तिवारी, उपाध्यक्ष रजनीका तिवारी, उपाध्यक्ष सोनू पांडे, उपाध्यक्ष संगीता तिवारी, उपाध्यक्ष नंदा शर्मा, उपाध्यक्ष विभा पाठक, उपाध्यक्ष रागिनी तिवारी, उपाध्यक्ष ज्योति उपाध्याय, कोषाध्यक्ष सुनीता तिवारी, सह कोषाध्यक्ष राखिनी पुष्पराज तिवारी, सह सचिव कौंति तिवारी, मीडिया प्रभारी कल्पना शुक्ला, सह मीडिया प्रभारी निधि दुबे, मंत्री जया मिश्रा, मंत्री कविता पाठक, मंत्री मधु चौबे, संगठन मंत्री संगीता रिशारिया, सह संगठनमंत्री गौता दुबे, सहसंगठन मंत्री पंचजा शुक्ला, सहसंगठन मंत्री नीलम अवस्थी, प्रचार मंत्री नीता पांडे, सह प्रचार मंत्री रश्मि तिवारी, सहप्रचार मंत्री अनंता शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य चंद्रा दीक्षित, शोभा उपाध्याय, मीनका पांडे, नेहा पांडे, शिवानी रिशारिया, साक्षी दुबे, पद्मात्मिका तिवारी, आमा तिवारी, अलका पाण्डे एवं साधना तिवारी का चयन किया गया।



## प्राचीन शिव मंदिर की ऐतिहासिकता पर एएसआई करेगी सर्वे, न्यायालय ने मांगी रिपोर्ट

जबलपुर।

रामपुर चौक स्थित डेलीमा कम्पाउंड के प्राचीन भगवान शिव मंदिर एवं उससे जुड़ी भूमि विवाद मामले में व्यवहार न्यायालय, जबलपुर ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया है। न्यायालय ने कलेक्टर, जबलपुर को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) अथवा अन्य सक्षम शासकीय विभाग से मंदिर एवं विवादित स्थल का सर्वेक्षण कराकर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

'उषा डेलीमा बनाम अंजू भागव एवं अन्य' प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विवादित भूमि के सर्वे क्रमांक 278/1, 278/2, 278/3 एवं 278/4 से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत किए गए। न्यायालय ने माना कि मंदिर की प्राचीनता, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और पुरातात्विक महत्व का निर्धारण विशेषज्ञ संस्था द्वारा कराया जाना आवश्यक है, ताकि मामले का निष्पक्ष एवं साक्ष्य-आधारित निराकरण हो सके। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिए हैं कि सर्वेक्षण के दौरान सभी पक्षकार मौके पर उपस्थित रहेंगे, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनी रहे। प्रतिवादी अंजू भागव की ओर से विशेषज्ञ एजेंसी से वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने का आग्रह किया गया था। मामले में पुनरीक्षणकर्ता की ओर से अधिवक्ता शांतनु आयाची एवं आदर्श हीरा ने पक्ष रखा। अब एएसआई अथवा संबंधित विभाग की रिपोर्ट के आधार पर मामले की आगामी न्यायिक सुनवाई होगी।

श्री अन्नू सिंह सैयाम- हाउबाग रोड गौरखपुर निवासी श्री राम सिंह सैयाम के पुत्र श्री अन्नू सिंह सैयाम (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कमला ब्यौहार- ब्यौहारबाग नेहरू वार्ड निवासी श्री शिव चरण ब्यौहार की धर्मपत्नी श्रीमती कमला ब्यौहार (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राजेंद्र नाथ तिवारी- शिवनगर रमोहनका निवासी श्री राजेंद्र नाथ तिवारी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अधिनी वर्मा- टेस्टिंग रोड चांदमारी लालमाला निवासी श्री रमेश कुमार वर्मा के पुत्र श्री अधिनी वर्मा (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री ज्ञान प्रकाश वर्मा- छापर विजयनगर रामपुर निवासी श्री ज्ञान प्रकाश वर्मा (71) का निधन हो



गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम नरेश चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री राम नरेश चौधरी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री हरिओम सोंधिया- गोकलपुर इंजीयिरिंग कॉलेज के पास निवासी श्री हरिओम सोंधिया (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रमिला बाई राठौर- संगम कॉलोनी निवासी श्री दैलत सिंह राठौर की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला बाई राठौर (85) रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लाडो बाई- राम नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री राम छबीला की धर्मपत्नी श्रीमती लाडो बाई (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रवि शंकर पाण्डेय- ट्यूलिप अपार्टमेंट गंगासागर निवासी श्री रवि शंकर पाण्डेय (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती उर्मिला देवी सिंह- सेठीनगर गुनेश्वर निवासी श्री प्रताप नारायण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला देवी सिंह (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र अवस्थी- नई बस्ती गौरीघाट निवासी श्री राजेंद्र अवस्थी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती अंजना शुक्ला- इंद्रा नगर बिलपुरा निवासी श्री कृष्ण कुमार शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती अंजना शुक्ला (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

## खितौला में श्रद्धा व उल्लास से मनाया गया चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव

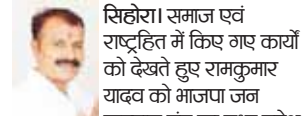


सिहोरा। खितौला में परम पूज्य आचार्य विद्यासागर महाराज की शिष्या एवं आचार्य समय सागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या आर्विका माँ 105 सूत्रमति माताजी संसंध के सान्निध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया गया।

मंगल कलश शोभायात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया, जबकि पुरुष, युवा और बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। जयघोष, मंगल गीतों और धर्मध्वजों के साथ निकली शोभायात्रा से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा के बाद गुरुवर विद्यासागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रथम मंगल कलश की स्थापना महेश चंद्र जैन एवं अंकुर जैन, द्वितीय रजनी जैन एवं नीरज जैन, तृतीय राकेश जैन, राहुल जैन एवं रोहित जैन, चतुर्थ मुकेश जैन, श्वेतांक जैन एवं मयंक जैन, पंचम कैलाश जैन, रौलेष जैन एवं सचिन जैन तथा षष्ठम रवि कुमार जैन, प्रकाश जैन एवं अमन जैन परिवार ने विधि-विधान से की। सांस्कृतिक सत्र में बच्चों एवं महिलाओं ने धर्म, त्याग, तप और संस्कारों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां

दीं। अपने आशीर्वाचन में सूत्रमति माताजी ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, स्वाध्याय, संयम और धर्म आराधना का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने श्रद्धालुओं से चार माह के इस पावन काल का सदुपयोग कर धर्म साधना एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने का आह्वान किया।

## रामकुमार यादव बने माजपा जन कल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष



सिहोरा। सभाज एवं राष्ट्रहित में किए गए कार्यों को देखते हुए रामकुमार यादव को माजपा जन कल्याण मंच का मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक दर्शन आर. शाह द्वारा की गई है। नियुक्ति 30 जुलाई 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू होगी और 30 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेगी।

### नाम परिवर्तन

मैं तुलसा बाई पति श्री शरद उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम मटामर खम्हरिया पो. सोनपुर ,तहसील पनागर जिला जबलपुर म.प्र. शायद पूर्वक निम्न कथन करती हूँ। कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करती हूँ मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम तुलसा TULASA दर्ज हो गया है जो कि गलती से त्रुटियश दर्ज हुआ है। मेरे अन्य दस्तावेजों में नाम तुलसा बाई TULASA BAI है अतः मेरे उक्त दस्तावेजों जैसे सम्पत आई , निवास प्रमाण पत्र में यही दर्ज है मैं अपना नाम सुधार हेतु शायद पत्र पेश कर रही हूँ गलत नाम TULASA सही नाम TULASA BAI

## एक युवक का अस्पताल में चल रहा उपचार सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज़►►रायगढ़

जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। जहरीले सांप के डंसने से एक 14 वर्षीय किशोर और 5 माह के मासूम की मौत हो गई, जबकि एक युवक का अस्पताल में उपचार जारी है।

पहली घटना कुडुमकेला गांव की है। जानकारी के अनुसार, धीरज दास महंत (14 वर्ष) रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद घर में पलंग पर सो गया था। कुछ घेर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसके मुंह से झाग निकलने लगा। परिजन उसे तुरंत घरघोड़ा सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। आशंका है कि सोते समय उसे जहरीले सांप ने डंस लिया था। दूसरी घटना ग्राम चारमार में हुई। यहां जहरीले सांप ने संजय



धनवार (25 वर्ष) और उनके 5 माह के बेटे नयांश धनवार को डंस लिया। दोनों को गंभीर हालत में तत्काल घरघोड़ा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान मासूम नयांश ने दम तोड़ दिया, जबकि संजय धनवार का इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत अब पहले से बेहतर बताई जा रही है। मासूम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल है। दोनों घटनाओं की सूचना मिलने के बाद घरघोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## वन विभाग की टीम कर रही जांच दो ग्रामीणों पर तेंदुए ने किया हमला, मौके पर पहुंचे वन अमले को मिला तेंदुए का शव



हरिभूमि न्यूज़►►धमतरी

जिले के नगरी विकासखंड से लगे ग्राम कर्राघाटी में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात तेंदुए के हमले से दहशत फैल गई। रात करीब 2 से 3 बजे के बीच एक तेंदुआ गांव में घुसकर एक मकान के अंदर पहुंच गया, जहां उसने सो रहे दो ग्रामीणों पर हमला कर दिया।

जानकारी के अनुसार, हमले में धरम नेताम और गांधीराम घायल हो गए। दोनों ने किसी तरह अपनी जान बचाई, लेकिन तब तक तेंदुए के हमले में वे घायल हो चुके थे। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और तुरंत एंबुलेंस की सहायता से दोनों को नगरी सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

## हादसे में कोई जनहानि नहीं, जांच जारी अचानक पटरी से उतरा मालगाड़ी का डिब्बा, बड़ी दुर्घटना टली

हरिभूमि न्यूज़►►कोरबा

कोरबा जिले के एसईसीएल की मानिकपुर रेलवे साइडिंग पर शनिवार को कोयला परिवहन के दौरान एक बड़ा रेल हादसा टल गया। रेलवे की सेंकेड एंटी लाइन पर कोयले से भरी मालगाड़ी का एक डिब्बा अचानक पटरी से उतर गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कोयला लोडिंग और डिस्पैच का कार्य लगभग तीन घंटे तक प्रभावित रहा।

मानिकपुर साइडिंग में कोयला लोड होने के बाद मालगाड़ी को पीछे की ओर शंटिंग की जा रही थी। इसी दौरान सेंकेड एंटी पॉइंट पर एक वैगन का पहिया ट्रैक से उतर गया। राहत की बात यह रही कि डिब्बा पलटा नहीं, जिससे बड़ा हादसा टल



गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रेलवे ट्रैक के रखरखाव में कमी और पटरियों की लेवेलिंग सही नहीं होने के कारण यह घटना हुई। बताया जा रहा है कि कोयले के अधिक भार के चलते कमजोर ट्रैक पर दबाव बढ़ा और वैगन का पहिया पटरी से उतर गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे और एसईसीएल के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। रेलवे की एक्सीडेंटल रिलीफ टीम को भी बुलाया गया।

## नारी महानदी पुल पर हुए हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। कुरुद थाना क्षेत्र अंतर्गत नारी महानदी पुल में हुए एक हत्या के मामले का पुलिस ने 10 दिन बाद खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 21 वर्षीय युवक को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। चावल व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा से उपजी रंजिश के चलते आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। मिली जानकारी के अनुसार, 22 जुलाई को नारी महानदी पुल के ऊपर मुख्य मार्ग पर नीरज साहू पिता खुमान साहू, उम्र 27 वर्ष, निवासी कुण्डेल (धमतरी) का शव मिला था। मृतक के गले एवं माथे पर गंभीर चोट के

निशान पाए गए थे तथा घटनास्थल पर उसका बोलेरो पिकअप वाहन भी खड़ा मिला था। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। इस दौरान सांसदीवी फुटेज एवं अन्य सबूतों के आधार पर संदेही बिरेंद्र कुमार साहू (21 वर्ष), निवासी सांकरा-मगरलोड, को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने नीरज साहू की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और मृतक दोनों चावल का व्यवसाय करते थे। मृतक का व्यवसाय अच्छा चलने और उसकी कमाई अधिक होने के कारण वह उसके प्रति अंदर ही अंदर रंजिश रखता था। इसी रंजिश और द्वेष के चलते आरोपी ने मौका पाकर नारी महानदी पुल के सुनसान स्थान पर मृतक को रोक लिया और कैची एवं पाना से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

## आरटीआई में नहीं दिया जवाब, चीता प्रोजेक्ट के डायरेक्टर तलब

भोपाल। मप्र राज्य सूचना आयोग ने एक मामले में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी नहीं देने पर चीता प्रोजेक्ट के डायरेक्टर उत्तम शर्मा को तलब किया है। मामला दो साल पहले 2024 में चीतों को बेहोश करने की अनुमति, ब्लड टेस्ट, घायल चीतों की सर्जरी के बाद की रिपोर्ट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट समेत कई जानकारियां नहीं देने का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, एक्टिविस्ट अजय दुबे की

शिकायत पर सुनवाई करते हुए राज्य सूचना आ्युक्त राजेश भट्ट ने चीता प्रोजेक्ट के डायरेक्टर उत्तम शर्मा को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। मामले में जानकारी देने की जगह वन विभाग ने तत्प अधिनियम की धारा 8(1)(ए) और 8(1)(जे) का हवाला देते हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया। विभाग का कहना था कि मांगी गई जानकारी सुरक्षा और निजी जानकारी से जुड़ी है। वहीं कुछ सूचनाओं के लिए शुल्क

भी मांगा गया। मामले में अजय दुबे ने आयोग के सामने दस्तावेज पेश कर आरोप लगाया कि उत्तम शर्मा ने 2024 से अब तक आरटीआई अधिनियम का उल्लंघन किया। उनका आरोप है कि उन्होंने खुद ही लोक सूचना अधिकारी और प्रथम अपीलार्थ अधिकारी की भूमिका निभाते हुए आदेश पारित किए, जो नियमों के विपरीत है। मामले में सुनवाई शुरू हुई है और अब आयोग आगे की सुनवाई में डायरेक्टर से जवाब लेगा।

### कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर म.प्र.

**क्रं./1074/अ.वि.अ./भू-अर्जन/2026**
**नरसिंहपुर, दिनांक- 16/06/2026**
**प्रारंभिक अधिसूचना**
**(देखिये धारा 11)**
**रा.मा.क्र.00049/अ-82 / 2026-27 मौजा ग्राम - कोठिया**
**प.ह.नं.-03 न.ब.-75 तहसील - गाडरवारा**

चूँकि समुचित सरकार को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची-1 में कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर को नर्मदा नदी पर चिनकी बोरस बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के लिये बोरस बराज निर्माण हेतु भूमि की आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है।

सर्व संबंधित को यह सूचित किया जाता है कि चिनकी बोरस बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति (EC Identification No. - EC23B000MP119529) को राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा दिनांक 30.01.2023 प्रदाय की गई है। भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-6 की उपधारा-2 के अनुसार सिवाई परियोजनाओं के संबंध में जहां पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण की प्रक्रिया की तत्समय प्रवत किसी अन्य विधि के प्रावधानों के अधीन अपेक्षा की जाती, सामाजिक प्रभाव निर्धारण से संबंधित इस अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा उक्त परियोजना हेतु निम्नानुसार भूमि का अर्जन किया जाता है :-

#### अनूसूची 1

**1. परियोजना का नाम : चिनकी बोरस बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना।**

**2. भूमि का विवरण**

**1. जिला : नरसिंहपुर**

**2. तहसील : गाडरवारा**

**3. ग्राम : कोठिया**

**4. प.ह.न. : 3**

**5. न.बं. : 75**

**6. अर्जित भूमि का क्षेत्रफल : 6.179 हेक्टेयर**

#### अनूसूची 2

| क्र. | हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता                                                                                                                                                                              | स्वामित्व का प्रकार | खसरा नंबर                           | अर्जित रकबा हे. में |
|------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|-------------------------------------|---------------------|
| 1    | 2                                                                                                                                                                                                           | 3                   | 4                                   | 5                   |
| 1    | गोविन्द प्रसाद पिता हल्के प्रसाद जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                        | भूमिस्वामी          | 2/1(स) 2/2                          | 0.405               |
|      |                                                                                                                                                                                                             |                     | 4(स) 5 6 7/2 8/1क 8/1ख 8/2 9/2      | 0.120               |
| 2    | खेमचंद पिता शिवप्रसाद जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                   | भूमिस्वामी          | 3(स)                                | 0.454               |
| 3    | अजो सीता पिता संतराम सविता बेवा संतराम भोन्नू पितारसंतराम जाति ठाकुर पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                               | भूमिस्वामी          | 9/3/1(स)                            | 0.020               |
| 4    | सुकुन्ती पत्नी मिथिलेश मिथिलेश पिता परशोतम जाति गोंड पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश अहस्तांतरणीय                                                                                                  | भूमिस्वामी          | 9/3/3(स)                            | 0.08                |
| 5    | अशोक कुमार पिता बाबूलाल पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                            | भूमिस्वामी          | 16/1(स) 24(स)                       | 0.308 0.040         |
| 6    | झलकन पिता रघुवर जाति गोंड पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                          | भूमिस्वामी          | 16/2(स)                             | 0.060               |
| 7    | दशोदाबाई पत्नी प्रेमलाल जाति गोंड पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                  | भूमिस्वामी          | 16/3(स)                             | 0.052               |
| 8    | किट्टीबाई बेवा बालाप्रसाद सुल्तान बहादूरमुन्ना पिता बालाप्रसाद सुमन्ना बाई पुत्री बालाप्रसाद जाति गोंड पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                             | भूमिस्वामी          | 16/4(स)                             | 0.048               |
| 9    | धरमदास पिता काशीराम जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                     | भूमिस्वामी          | 17(स)                               | 0.032               |
| 10   | हरनारायण पिता उदयराम जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                    | भूमिस्वामी          | 18(स) 21(स)                         | 0.080               |
| 11   | देवेन्द्र सिंह पिता लक्ष्मण सिंह जाति किरारपता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                         | भूमिस्वामी          | 19(स)                               | 0.32                |
| 12   | मायाबाई पत्नी दिनेश कुमार जाति किरारपता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                | भूमिस्वामी          | 14(स)                               | 0.050               |
| 13   | नर्मदाप्रसाद, चंद्रकुमार, दिनेश कुमार पिता झलक सिंह, झलकन पिता उदयराम जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                   | भूमिस्वामी          | 25/1(स)                             | 0.060               |
| 14   | मुन्नीबाई मुन्नालाल हल्कीबाई भजनलाल कछेदीलाल, लालजी प्रसाद पिता जगन्नाथ जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                 | भूमिस्वामी          | 25/2(स)                             | 0.032               |
| 15   | हरिश्चन्द्र पिता श्यामलाल जाति लुहार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                               | भूमिस्वामी          | 23/3(स)                             | 0.056               |
| 16   | कोदूलाल रामसिंह पिता हल्के प्रसाद, भगोती बेवा हल्के प्रसाद जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                              | भूमिस्वामी          | 26/2(स) 27/3(स) 28/3(स) 29/2(स)     | 0.008               |
| 17   | कृष्ण कुमार पिता कोमल प्रसाद जाति श्रीवास्तव पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                       | भूमिस्वामी          | 138(स)                              | 0.081               |
| 18   | कोमल प्रसाद पिता रामदयाल जाति श्रीवास्तव पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                           | भूमिस्वामी          | 139/2/1(स) 140/2/1(स) 144/2/1(स)    | 0.040               |
| 19   | कृष्णकुमार पिता कोमलप्रसाद जाति श्रीवास्तव पता राम वाई कंदेली नरसिंहपुर नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                | भूमिस्वामी          | 139/2/2(स) 140/2/2(स) 144/2/2(स)    | 0.040               |
| 20   | उमा खर्च पत्नी अमित खरे पता नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                            | भूमिस्वामी          | 139/1(स) 140/1(स)                   | 0.048               |
| 21   | बुजकिशोर पिता अम्बका प्रसाद जाति कायस्थ पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                            | भूमिस्वामी          | 144/1(स)                            | 0.012               |
| 22   | गोशलकिशोर पिता अम्बका प्रसाद जाति कायस्थ पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                           | भूमिस्वामी          | 145(स)                              | 0.096               |
| 23   | गुहूबाई पति बलू गौरव पिता रविशंकर गरिमा पिता रविशंकर राधाबाई पति रविशंकर हल्कीबाई पिता पूरन गीता बाई धनीबाई पुत्री बलू नेशा उर्मिला सविता पिता ठाकुरदास जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश | भूमिस्वामी          | 146/1(स)                            | 0.008               |
| 24   | कछेदी पिता सुन्मेर जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                      | भूमिस्वामी          | 146/2(स) 1/3/1(स) 171/1(स) 172/2(स) | 0.014 0.061 0.032   |
| 25   | रामकेश पिता मुन्डेसिंह, मुन्नीबाई बेवा मुन्डेसिंह, यशवती, ममता पुत्री मुन्डेसिंह पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                   | भूमिस्वामी          | 146/3(स) 1/2(स)                     | 0.014 0.121         |
| 26   | मुन्नीबाई बेवा मुन्डेसिंह भूरा पिता भवानी रामकेश पिता मुन्डेसिंह ममता पुत्री मुन्डेसिंह यशवती पुत्री मुन्डेसिंह कल्लू पिता भवानी जाति किरार पता गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                               | भूमिस्वामी          | 171/2 (स)172/2 1/3/2(स)             | 0.130 0.060         |
| 27   | कछेदी पिता छिद्यमीलाल दर्शनलाल पिता राम प्रसाद जाति बाईई पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर                                                                                                                      | भूमिस्वामी          | 1/4(स) 173(स) 178(स)                | 0.057 0.032         |

| क्र.    | हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता                                                                                                                                                                                                                                                                               | स्वामित्व का प्रकार | खसरा नंबर                                                                  | अर्जित रकबा हे. में           |
|---------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|----------------------------------------------------------------------------|-------------------------------|
| 1       | 2                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | 3                   | 4                                                                          | 5                             |
| 28      | मीरा जोड़े लखवू नन्दि्या बेवा विज्जा गज्जा रामचन्द्र दौलत पिस. विहारी जाति दीमर पता सा. देह                                                                                                                                                                                                                  | भूमिस्वामी          | 1/5(स) 179(स)                                                              | 0.008 0.008                   |
| 29      | मल्लू फुल्लू पिता अगगडिया सुमिया बेवा हल्कू रामचंद वन्द विहारी भजनलाल दिव्याबाई मुन्नीबाई रेवतीबाई हक्कीबाई पिता छूटा भग्ना कोटा दीपगवाई पिता सुदामा कछेदी वीराबाई पिता गबदू शातिबाई बेवा ओंकार कढोरी पिता मुन्ना गुड्डू सुकमनबाई पिता ओंकार बडडा मुन्ना पिता परताप पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश | भूमिस्वामी          | 1/6(स) 1/7(स) 181(स) 198(स)                                                | 0.020 0.008 0.008 0.032       |
| 30      | श्याम, बलवान पिता दुल्ला, मुल्लू, अमर सिंह पिता तखत सिंह, सुन्नी बेवा विरसा, मुन्नाम हन्दो बुढी पिता विरसा, सोतम उमेश पिता सियाराम, छेटी बनिया भूरी शाति जीरा पुत्री कन्वाई जाति दीमर पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                               | भूमिस्वामी          | 1/8/2(स)                                                                   | 0.040                         |
| 31      | हल्कू पिता तेज सिंह जाति दीमर पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                       | भूमिस्वामी          | 1/8/2(स)                                                                   | 0.041                         |
| 32      | कछई पिता वाईसा श्याम पिता दुल्लू जाति दीमर पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                          | भूमिस्वामी          | 1/9(स)                                                                     | 0.065                         |
| 33      | नर्मदा जी मंदिर घाट कोठिया सर. मूलचंद मुन्नालाल निजी संस्था कलाबाई किरण पिता खराराम शर्मा पता बोहानी गौरीशंकर रतनलाल पिता नर्मदाप्रसाद बनिया पता नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                        | भूमिस्वामी          | 180(स)                                                                     | 0.0012                        |
| 34      | कृष्णा पत्नी सजीब जाति कहर पता गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                                 | भूमिस्वामी          | 182/2/1(स)                                                                 | 0.0004                        |
| 35      | अमरसिंह मुल्लू पिता तखतसिंह सोतम उमेश नावा पिस सियाराम,वली व खुद माँ सब्कीबाई बेवा सियाराम जाति दीमर पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                | भूमिस्वामी          | 190(स)                                                                     | 0.008                         |
| 36      | श्री नर्मदा जी मंदिर कोठिया सरन्दराम पिता राम किशन जाति बाा पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                         | भूमिस्वामी          | 205(स)                                                                     | 0.004                         |
| 37      | श्री देरराम जानकी जी मंदिर कोठिया सर. ग्राम पंचायत चेंवरमैन बाबूलाल पिता भोपत नंदराम पिता रामकिशन कन्हैयालाल पिता भागीरथपता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                             | भूमिस्वामी          | 206/1(स)                                                                   | 0.567                         |
| 38      | श्री देररामजी, जानकीजी मंदिर कोठिया सर. ग्राम पंचायत चेंवरमैन बाबूलाल बन्द भोपत मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                   | भूमिस्वामी          | 207/2(स)                                                                   | 0.101                         |
| 39      | राघवेन्द्र प्रभुदयाल जाति बाा पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                       | भूमिस्वामी          | 207/8(स) 209(स)                                                            | 0.081 0.200                   |
| 40      | जयदयाल पिता वके जात किरार पिता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                          | भूमिस्वामी          | 207/3/1(स) 210/1(स)                                                        | 0.053 0.040                   |
| 41      | मथरा प्रसाद पिता बखत सिंह जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                | भूमिस्वामी          | 207/3/2(स) 210/4 ख 210/2 211/2                                             | 0.012 0.045 0.008 0.008       |
| 42      | निहाल सिंह पिता भूरत सिंह जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                | भूमिस्वामी          | 207/4/2(स) 207/9(स)                                                        | 0.328                         |
| 43      | प्रेमनारायण पिता हरनारायण जाति कायस्थ पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                               | भूमिस्वामी          | 207/4/3(स) 211/4(स)                                                        |                               |
| 44      | विरसियाबाई पत्नी परमलाल जाति कहर पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                    | भूमिस्वामी          | 207/5(स) 212/2(स)                                                          |                               |
| 45      | श्रीराम पिता बाबूलाल जाति बा. पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                       | भूमिस्वामी          | 212/3(स) 212/4(स) 226/1(स) 226/2(स) 226/3(स)                               | 0.270 0.060 0.106 0.138 0.147 |
| 46      | दिनेशकुमार पिता देवीसिंह ऊर्फ वीरन सिंह जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                  | भूमिस्वामी          | 207/10(स) 228/1 च 228/1 छ                                                  | 0.130                         |
| 47      | मुन्नालाल पिता सुन्दर लाल जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                | भूमिस्वामी          | 207/11(स) 228/1 ज                                                          | 0.280                         |
| 48      | सुमित कुमार ना.बा. पिता गोकल प्रसाद बली मा कमलाबाई पति गोकल प्रसाद जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                       | भूमिस्वामी          | 207/7/1(स) 228/1 क 359/2 क 207/7 ख 228/1 ख 359/2 ख 207/7 ग 228/1 ग 259/2 ग | 0.048                         |
| 49      | गोकल प्रसाद पिता सुंदरलाल जाति किरार पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                | भूमिस्वामी          | 228/1/3 (स) 359/3                                                          | 0.120                         |
| 50      | हरिशंकर पिता गौरीशंकर जाति मालानी पता कोठिया गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                   | भूमिस्वामी          | 228/2(स) 207/6(स)                                                          | 0.194 0.202                   |
| कुल योग |                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |                     |                                                                            | <b>6.179</b>                  |

- ख.नं. 4.5,6,7/2, 8/1 क, 8 / 1 ख, 8/2, 9 / 2 का नक्शा दुरुस्त का प्रकरण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी तह0 न्यायालय में रा.मा.क्र.0100 अ-6(अ) वर्ष 2026-27 में प्रचलित हैं।
- ख.नं. 9/3/1, 9/3/3 का नक्शा दुरुस्त का प्रकरण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी तह. न्यायालय में रा.मा.क्र.0095 अ-6(अ) वर्ष 2026-27 में प्रचलित हैं।
- ख.नं.16/1 में से 0.308 हे 24 में से 0.040 हे अर्जन होगा।ख.नं. 23/2 = 0.038 हे का नया नंबर खसरे दर्ज होना है प्रकरण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी में रा.मा.क्र. 0097 अ-6 (अ) वर्ष 2026-27 में प्रचलित हैं।
- ख.नं. 18 एवं 21/3 रकबा दुरुस्त का न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी तह. न्यायालय में रा.मा.क्र.0101 अ-6(अ) वर्ष 2026-27 में प्रचलित हैं।
- ख.नं. ख.नं. 26/2,27/3,28/3 एवं 29/2 का नक्शा दुरुस्त का न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी तह. न्यायालय में रा.मा.क्र.0098 अ-6(अ) वर्ष2026-27 में प्रचलित हैं।
- ख.नं. 139/1 140/1 का नक्शा बटांकन का प्रकरण न्यायालय नायब तहसीलदार वृत बोहानी तह. न्यायालय रा.मा.क्र.0024 ब- 121 वर्ष 2026-27 में प्रचलित हैं।
- ख.नं.206/1 के स्थान पर ख.नं. 206 होने का प्रकरण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी तह. न्यायालय में रा.मा.क्र.0096 अ-6(अ) वर्ष 2026-27 में प्रचलित हैं।
- ख.नं. 207/3/1, 207/4, 207/3/2, 210/1, 207/4 क, 210/2, 211/2, 207/4/2, 207/9, 207/4/3, 211/4, 207/5, 212/2, अभिलेख दुरस्ती का प्रकरण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी तह. न्यायालय में रा.मा.क्र.0099 अ-6(अ) वर्ष 2026-27 में प्रचलित हैं।
- ख.नं. 212/3, 212/4, 226/1, 226/2, 226/3, का नक्शा बटांकन का प्रकरण न्यायालय नायब तहसीलदार वृत बोहानी तह० न्यायालय रा.मा.क्र.0024 ब-121 वर्ष2026-27 में प्रचलित हैं।

यह अधिसूचना इससे संबंधित सभी व्यक्तियों के लिये भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा 11(1) उपबंधों के अधीन जारी की गई है।

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ 16-15 (7) 2014- सात - शा. 2९ भोपाल दिनांक- 29.09.2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के पृष्ठ क्रमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है। उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी भू- अर्जन शाखा नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा- 12 द्वारा दी गई शक्ति का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है।

सरकार, उक्त अधिनियम की धारा- 12 में यथा उपबंधित एवं विनिर्दिष्ट कार्यपालन यंत्री रानी अवंतीबाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर और उसके कर्मचारिवृंद को भूमि में प्रवेश करने और उसका संरक्षण करने, किसी भी भूमि के स्तर लेने, अवमूदा में खुदाई करने या वेधन करने और अपने कार्य के उचित निष्पादन के लिये अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा-11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिकारी के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नहीं करेगा या कोई भी संव्यवहार नहीं होने देगा अर्थात क्रय/विक्रय आदि नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विलग्नम सृजित नहीं करेगा।

अधिनियम की धारा-15(1) के अधीन यथा उपबंधित इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर किसी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर (कक्ष क्रं. 84, भू- अर्जन शाखा, नरसिंहपुर) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा के समक्ष (कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा में आक्षेप यदि कोई हो फाईल किए जा सकेंगे।

भूमि से संबंधित रेखांकन अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अनुविभाग गाडरवारा कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्य समय के दौरान देखा जा सकता है।

**मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार।**

**(मणिन्द्र कुमार सिंह)**

हाल ही में राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए युवा आंदोलन ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा। दूसरी ओर, इस आंदोलन के बीच कॉंकरोच जनता पार्टी के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकता। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है, इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉंकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

# पुरानी पीढ़ी से अलग है जेन-जी और अल्फा



## विश्लेषण

डा. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

‘सीजेपी’ के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। पहली चुनौती इसके नाम की है। क्या ‘सीजेपी’ इसी नाम के साथ सक्रिय राजनीति में प्रवेश करेगी? दूसरी चुनौती, उन राजनीतिक शक्तियों की है जो आने वाली किसी भी चुनावी कवायद में ‘सीजेपी’ को धुनाने का प्रयास करेंगी। ऐसी शक्तियों में भी कहीं किसी भी स्तर पर मतैक्य नहीं है। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं। एक तरफ हमारी पुरानी पीढ़ी है जिसने अभावों से शुरूआत करके स्थिरता को अपना लक्ष्य बनाया। दूसरी तरफ जेन-जी है जिसने तकनीक को अपने हाथों में खिलौने की तरह पलटा हुआ देखा है। अब, सबसे नई पीढ़ी यानी जेन-अल्फा दस्तक दे चुकी है, जिसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आभासी दुनिया को नज्वा नहीं बल्कि उनकी सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है। इन पीढ़ियों के बीच का अंतर केवल उम्र का नहीं है बल्कि यह अंतर उस पूरे परिवेश का है जिसने इनके दिमाग, इनकी भावनाओं और इनके जीवन मूल्यों को गोढ़ा है। यह समझना बेहद दिलचस्प है कि पुरानी पीढ़ी से यह नई जेन-जी और जेन-अल्फा की पीढ़ी किन मायनों में और कितनी अलग है। तकनीक के साथ रिश्ते को ही लें तो पुरानी पीढ़ी के लिए तकनीक एक सुविधा थी जिसे उन्होंने अपनी आधी उम्र गुजारने के बाद बहुत हिचकिचाहट के साथ सीखा।

तकनीकी बदलाव व आपसी संवाद

## तकनीकी बदलाव व आपसी संवाद

पुरानी पीढ़ी ने चिट्ठियों के दौर से लेकर लैंडलाइन और फिर बहुत बाद में स्मार्टफोन का सफर तय किया। इसके ठीक विपरीत, जेन-जी वह पीढ़ी है जिसे डिजिटल नेटिव कहा जाता है। उन्होंने इंटरनेट के साथ ही आखें खोली हैं। उनके लिए दुनिया की हर जानकारी उनकी उंगलियों पर रही है। जेन-अल्फा इन सबसे भी एक कदम आगे है। यह वह पीढ़ी है जो साल दो हजार दस के बाद पैदा हुई है और जिसे एआई नेटिव कहा जा सकता है। जेन-अल्फा के बच्चे जब बोलना भी नहीं सीखे थे, तब वे स्मार्टफोन और टैबलेट की स्क्रीन को स्टाइप करना जानते थे। उनके लिए एलेक्सा, सिरी और वेटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले टूल्स किसी इंसान की तरह ही उनके दोस्त और शिक्षक बन चुके हैं। तकनीक ने पुरानी पीढ़ी को दुनिया से जोड़ा था, जेन-जी ने तकनीक के जरिए अपनी एक अलग दुनिया बनाई, लेकिन जेन-अल्फा तकनीक के भीतर ही सांस ले रही है। इस तकनीकी बदलाव ने आपसी संवाद और भाषा के स्वरूप को भी पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पुरानी पीढ़ी के लिए संवाद का अर्थ आगने-सामने बैठकर लंबी बातचीत करना था।



## तीनों पीढ़ियां एक-दूसरे का सम्मान करें

अगर हम एक व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है।

पुरानी पीढ़ी के पास अनुभव, स्थिरता, धैर्य और रिश्तों की वह गहरी गर्माहट है जिसकी आज के इस अत्यधिक तेज और आभासी दौर को संभर जरूरत है। जेन-जी के पास रूढ़ियों से लड़ने का अदम्य साहस, वैश्विक मुद्दों के प्रति गहरी चिंता और दुनिया को एक समान नजरिए से देखने की प्रगतिशील दृष्टि है। वहीं, जेन-अल्फा भविष्य की वह असीम और अज्ञात संभावना है जो तकनीक की चरम सीमा और मानवता के मूल स्वभाव के बीच एक

नया संतुलन स्थापित करने की जिम्मेदारी उठाएगी। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। पुरानी पीढ़ी को यह खुले मन से स्वीकार करना होगा कि दुनिया अब उनके बनावे गए पुराने नियमों से नहीं चल सकती और नई पीढ़ियों को भी यह समझना ही होगा कि कोई भी उन्नत तकनीक जीवन के उस जमीनी अनुभव की जगह नहीं ले सकती जो पुरानी पीढ़ी ने दशकों के संघर्ष में कमाया है। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा।

## इंटरनेट स्लैंग और इमोजी

जेन-जी की भाषा इंटरनेट की गति से चलती है। उनके लिए एक लंबी फोन कॉल भी कई बार असुविधाजनक होती है क्योंकि वे टेक्स्ट मैसेज, वॉयस नोट्स और गीम्स के जरिए अपनी बात कहना ज्यादा पसंद करते हैं। उनकी भाषा में इंटरनेट स्लैंग और इमोजी का गहरा प्रभाव है, जहां एक छोटा सा चित्र पूरी भावना को व्यक्त कर देता है। जेन-अल्फा की संवाद शैली इससे भी अधिक दृश्य और त्वरित होने वाली है। वे ऐसी पीढ़ी हैं जो टेक्स्ट से ज्यादा वीडियो और इंटरैक्टिव माध्यमों पर निर्भर है। उनके लिए स्क्रीन पर चल रहे वीडियोस ही उनके संवाद की प्राथमिक भाषा बन चुके हैं। इन पीढ़ियों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों में भी जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। पुरानी पीढ़ी के लिए समाज का मतलब उसका पड़ोस, उनका गांव या उनका शहर होता था। वे एक ऐसे दांचे में पले-बढ़े जहां व्यक्ति से ज्यादा परिवार और समाज का महत्व था। लेकिन जेन-जी ने इस दांचे को चुनौती दी है। उनके लिए समाज की कोई मौलिकता सीमा नहीं है। वे दक्षिण कोरिया के पॉप संगीत को सुनते हैं, अमेरिकी मीम्स पर हंसते हैं और यूरोप के जलवायु अभियानों का हिस्सा बनते हैं।

## एक-दूसरे से विपरीत रवैया

भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इन पीढ़ियों का रवैया एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत है। पुरानी पीढ़ी ने कई युद्ध, अकाल और आर्थिक मंदी के दौर देखे हैं जिसने उन्हें भीतर से बेहद कठोर और सहनशील बनाया। दुख या तनाव को चुपचाप सह लेना ही उनके लिए जीवन जीने का एकमात्र तरीका था। इसके विपरीत, जेन-जी शायद इतिहास की पहली ऐसी पीढ़ी है जो अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सबसे ज्यादा मुश्कुर है। वे थरेपी पर खुलकर बात करते हैं, अपनी कमजोरियों को छिपाने के बजाय दुनिया के साथ साझा करते हैं और अपने लिए भावनात्मक सीमाएं तय करते हैं। हालांकि, हर समय स्क्रीन से चिपके रहने और सोशल मीडिया पर एक परफेक्ट जीवन दिखाने के भारी दबाव ने जेन-जी को एंगजायटी का शिकार भी बनाया है। जेन-अल्फा की स्थिति इस मामले में और भी जटिल है। यह वह पीढ़ी है जिसने अपने जीवन के शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण साल महामारी के कारण घर की चारदीवारी में बिताए हैं। उनका स्क्रीन टाइम बहुत अधिक है और असली इंसानी रिश्तों से उनका जुड़ाव कम होता जा रहा है जो उनके मनोवैज्ञानिक विकास के लिए भविष्य की बड़ी चुनौती बनने वाला है।

# असहमति की भाषा संवाद के रास्ते खुले रखे



## मंथन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहां समय-समय पर विभिन्न वर्गों ने अपनी मांगों, असहमतियों और अपेक्षाओं को सामने रखा है। हाल के एक आंदोलन के दौरान भी जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति देखने को मिली। इस आंदोलन की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इसमें शामिल जेन जी ने अपने व्यक्तित्व के अनेक रंग प्रस्तुत किए। एक ओर ऐसे युवा थे जो अपने तर्कों और मांगों को पूरी गंभीरता के साथ रख रहे थे, वहीं दूसरी ओर कुछ युवाओं की भाषा, नारे और प्रस्तुति शैली ने अलग कारणों से ध्यान आकर्षित किया। उनकी भाषा कई लोगों को अटपटी, अनगढ़ या असामान्य लगी।

यह स्थिति केवल किसी एक आंदोलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक और डिजिटल परिवेश का भी संकेत देती है। आज की पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया और रील्स के बीच बड़ा हुआ है। उसकी भाषा में मीम, इंटरनेट स्लैंग, व्यंग्य और लोकप्रिय सांस्कृतिक संदर्भ सहज रूप से शामिल हो गए हैं। इसलिए जब यह पीढ़ी सड़कों पर उतरती है, तो उसकी अभिव्यक्ति भी पारंपरिक आंदोलनों से अलग दिखाई देती है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि जेन जी को केवल उसकी भाषा से नहीं समझा जा सकता। हाल के आंदोलन में अनेक युवा ऐसे भी थे जो तथ्यों के साथ अपने अधिकारों, भविष्य और नीतिगत प्रश्नों पर गंभीर चर्चा कर रहे थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस पीढ़ी के भीतर संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना का भी एक मजबूत पक्ष मौजूद है। इसके विपरीत, कुछ सोशल मीडिया क्लिप्स में ऐसे नारे, टिप्पणियां और संवाद भी सामने आए जिनमें अत्यधिक अनौपचारिक भाषा, कटाक्ष या वायरल होने की प्रवृत्ति दिखाई दी। कई बार ऐसा लगा कि कुछ प्रतिभागी आंदोलन के मूल उद्देश्य से अधिक कैमेरे की उपस्थिति के प्रति सजग हैं। यह प्रवृत्ति



जंतर-मंतर पर हाल के आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि जेन-जी एकरूप नहीं है। इस पीढ़ी में गंभीर चिंतन करने वाले युवा भी हैं, तकनीक का रचनात्मक उपयोग करने वाले भी हैं और ऐसे लोग भी हैं जो अपनी अभिव्यक्ति में अत्यधिक अनौपचारिक या सनसनीखेज शैली अपनाते हैं।

यह सवाल भी उठा कि क्या आंदोलन का संदेश अधिक महत्वपूर्ण है या उसकी सोशल मीडिया प्रस्तुति? जेन जी की भाषा को समझने के लिए यह भी ध्यान रखना होगा कि भाषा हमेशा समाज के साथ बदलती है। जिस भाषा को एक पीढ़ी सहज मानती है, दूसरी पीढ़ी उसे असामान्य या असह्य समझ सकती है। यह पीढ़ियों के बीच का स्वाभाविक अंतर है। लेकिन लोकतांत्रिक आंदोलनों में भाषा का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि वही आंदोलन की नैतिक शक्ति और विश्वसनीयता का आधार बनती है। यदि भाषा अत्यधिक आक्रामक, अपमानजनक या असंगत

गंभीर लोकतांत्रिक माध्यम में यह प्रवृत्ति सावधानी की मांग करती है। लोकतंत्र में विरोध और असहमति दोनों आवश्यक हैं, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि असहमति की भाषा ऐसी हो जो संवाद के रास्ते खुले रखे।

प्रभावशाली आंदोलन केवल भीड़ से नहीं, बल्कि विचार, अनुशासन और विश्वसनीय संवाद से मजबूत बनते हैं। हर पीढ़ी अपनी भाषा लेकर आती है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा अंततः वही होती है जिसमें मतभेद के साथ मर्यादा, विरोध के साथ विवेक और उत्साह के साथ उत्तरदायित्व भी शामिल हो।

# सह-भागीदारी का मार्ग अपनाए सरकार



## व्यवस्था

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

डिजिटल युग में पले-बढ़े युवाओं की पीढ़ी 'जेन-जी' आज केवल सोशल मीडिया की प्रवृत्ति तय नहीं कर रही बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विमर्श को भी आकार दे रही है। भारत से लेकर नेपाल, बांग्लादेश और कई अन्य देशों तक, जेन-जी के नेतृत्व में हो रहे जन-आंदोलन और उनकी मांगों ने सत्ता संरचनाओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सवाल यह उठता है कि आखिर यह पीढ़ी सरकार और उसकी व्यवस्था से असहज या नाराज क्यों है? और ऐसा क्या किया जा चाहिए जिससे युवा स्वयं को शासन प्रक्रिया का हिस्सा महसूस कर सकें?

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं, उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है। कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं नीट, यूपीएसी, एमएससी, सीयूईटी की तैयारी में जीवन के कई वर्ष बिताने के बावजूद पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और अदालती मुकदमों के कारण भर्तियों में देरी युवाओं के धैर्य को तोड़ रही है। पारंपरिक राजनीति और संवादहीनता भी इस नाराजगी का बड़ा कारण है। जब सरकारें युवाओं के मुद्दों पर सीधे संवाद करने के बजाय सोशल मीडिया ट्रोलिंग और प्रतिबंधों का सहारा लेती हैं तो युवाओं को लगता है कि उनकी आवाज का गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की अनिश्चितता भी एक बड़ी वजह है। कोचिंग संस्कृति के बढ़ते दबाव, आर्थिक असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों को लेकर इस पीढ़ी में चिंता और अनिश्चितता का माहौल है। नीतियां बनाते समय युवाओं के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी वास्तविक चिंताओं की



जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं, उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है।

निर्णयों का 'लाभार्थी' मानने के बजाय 'सह-निर्माता' के रूप में देखना चाहती है तो उसे ढांचागत बदलाव करने होंगे। परीक्षा और रोजगार प्रणाली में आमूलचूल सुधार लाना होगा। पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती ढांचे की सख्त जरूरत है। भर्ती प्रक्रियाओं के लिए एक राष्ट्रीय कैलेंडर और भ्रष्टाचार-मुक्त डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली अनिवार्य की जानी चाहिए। पेपर लीक जैसे अपराधों पर कठोर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई दिखती नजर आनी चाहिए। भविष्य-उन्मुख कोशल और नौकरियों के लिए युवाओं को सक्षम बनाने की जरूरत है। केवल सरकारी

नौकरियों के भरोसे रहने की बजाय एआई, डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और क्रिएटर इकोनॉमी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जाए और गिग-वर्कर्स के लिए न्यूनतम वेतन व सामाजिक सुरक्षा कानून बनाए जाएं। जेन-जी की विचारशैली को डिडो करने में खराब अधिक करता है। 'डिजिटल लोकतंत्र' और प्रत्यक्ष संवाद की जरूरत है। युवा संसद और ओपन डेटा पोर्टल इस दिशा में कारगर उपाय हैं। सरकार को नीति निर्माण से पहले युवाओं से सीधे सुझाव लेने के लिए आधुनिक प्लेटफॉर्म युवा-समीक्षा पोर्टल एवं एप्स बनाए जाएं। युवाओं के साथ सीधा और सच्चा संवाद जरूरी है। सरकार के नीति-निर्माताओं, और नौकरशाही को विश्वविद्यालयों और स्टार्ट-अप हब्स में जाकर युवाओं के सवालों का जवाब देना चाहिए। नीति-निर्माण से युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल और छात्र आत्महत्याओं जैसी अपराधों से निपटने के लिए कारउसलिंग के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाना आवश्यक है और कोचिंग संस्थानों के अनियंत्रित व्यावसायीकरण पर नकेल कसना जरूरी है।



## उम्मीद

चरण जीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में हजारों की संख्या में राजनीतिक दलों का उद्भव हुआ। इनमें से अधिकतर विचारधारा के अभाव में नष्ट हो गए। कुछ ने क्षेत्रीय पार्टी का रूप ले लिया। कुछ ने राज्यों की सत्ता हाथिया ली। कुछ राज्यों स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे। पिछले दो दशकों में जल्द से शोशल मीडिया का प्रादुर्भाव हुआ है, तब से ही कई दल बने और नष्ट हुए हैं।

कॉंकरोच जनता पार्टी का उदय कॉंकरोच जनता पार्टी सोशल मीडिया की सीलन भरी उस आभासी दुनिया की उपज है, जहां मात्र कुछ सेकंड की एक रील वायरल होने पर किसी व्यक्ति को रातों-रात स्टार बना सकता है। किसी को रातों-रात बदनाम करके उसकी जिंदगी तबाह कर सकती है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की एक साधारण टिप्पणी में निहित एक शब्द को लेकर बनाया गया एक सोशल मीडिया अकाउंट इतना वायरल हुआ कि उस पर फ्रॉलेअर्स की बाढ़ आ गई और रातों-रात मिलियन्स लोग एक इस्टाग्राम अकाउंट से जुड़ गए। इस तरह से एक ऐसे प्लेटफॉर्म का जन्म हो गया, जहां देश के जेन-जी को अपनी बात रखने का मौका मिला। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉंकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। जेन-जी के नाम पर देश की युवा पीढ़ी को हथियार बनाकर पहले से स्थापित राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेक रहे हैं। फिलहाल सरकार से एक मुद्दे पर अपनी मांगें मनवाने में सफल हो जाने वाली सीजेपी के सामने एक सबसे बड़ा संकट अपने अस्तित्व को बचाना और अपने उद्देश्य को स्थापित करना है।

## सीजेपी की विचारधारा

भारतीय राजनीति में केवल दो ही पार्टियां ऐसी हैं जो एक निश्चित विचारधारा से जुड़ी हुई हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद को अपना प्रमुख एजेंडा मानती है। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता को अपनी प्रमुख विचारधारा मानती है। बाकी सभी पार्टियां जाति, धर्म, क्षेत्र, या भाषा के नाम पर अपना पोषण करती हैं। कॉंकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। इसमें शिक्षा में सुधार, पेपर लीक, रोजगार के बेहतर विकल्प जैसे मुद्दे शामिल हैं। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

## यया है पार्टी का भविष्य एवं विकास

कॉंकरोच जनता पार्टी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह आने वाले समय में किन मुद्दों पर राजनीति करती है। अगर कॉंकरोच जनता पार्टी भी अन्य दलों की भांति चुनावी राजनीति में कदम रखती है तो उसे अपने मुद्दे,उद्देश्य और विचार देश की जनता के सामने स्पष्ट करने होंगे। वगैरें बहुत सारे अन्य दलों की तरह वह भी चुनाव विजयी की भीड़ में एक सिमल मात्र बनकर रह जाएगी। सीजेपी के पास सबसे बेहतर विकल्प तो यही है कि वह एक प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे। देश में समस्याओं और मुद्दों की कमी नहीं है। जिस तरह से पेपर लीक के मामले को राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर मंत्री का इस्तीफा कराना और एक बेहतर कानून बनाने के लिए सरकार को मजबूर करना ये किसी अन्य राजनीतिक दल के बस का काम नहीं था। देश की युवा शक्ति ने यह कर दिखाया है। एक और बड़ी चुनौती सीजेपी के सामने किसी भी राजनीतिक दल के द्वारा इस्तेमाल होने की है। आज जो पार्टियां अपनी प्रशासिकता खोती जा रही हैं, वे किसी भी तरह के समझौते के लिए तैयार हो जाती हैं, उनसे बचने की जरूरत है। कॉंकरोच की सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह सबसे विपरीत परिस्थितियों में सर्वोद्विग्न कर सकता है। वहीं, उसका सबसे बड़ा दुर्गुण ये है कि वह खाता कम है खराब अधिक करता है। पहला गुण अच्छा है, लेकिन दूसरे से बचना होगा। मतलब सीधा सा है कि युवा पीढ़ी के वास्तविक मुद्दों की उठाना, उनके लिए संघर्ष करना, सरकारों को बेहतर विकल्प देने के लिए मजबूर करना, देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य करना। इस सोच के साथ जब तक कॉंकरोच जनता पार्टी आगे बढ़ती रहेगी उसे जनता और युवाओं का समर्थन मिलता रहेगा, वर्ना एक बार विश्वास उठने के बाद फिर से खड़ा होना बहुत मुश्किल है।

कॉंकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है, लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।



## नेटफ्लिक्स की सीरीज ‘चुंबक’ देने आ रही हंसी की डोज...

**मुंबई।** नेटफ्लिक्स ने साल की शुरुआत में अपने पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा ‘चुंबक’ का ऐलान किया था। आतिश कपाड़िया द्वारा लिखित और निर्देशित इस सीरीज का निर्माण जमनादास मजीठिया और आतिश कपाड़िया ने अपने बैनर हैट्स ऑफ प्रोडक्शंस के तहत किया है। इसमें दिग्गज अभिनेत्री

नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अमायरा दस्तूर, अर्जुन बिजलानी, अनंत वी जोशी और हेली शाह समेत कई कलाकार मौजूद हैं। ‘चुंबक’ की कहानी मुंबई के एक पुराने रो-हाउस में रहने वाले 5 अलग-अलग परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अप्रत्याशित हालातों में फँसकर एक परिवार बन जाते हैं।

## लाइफ Style

फिल्म इंडस्ट्री में शूटिंग के दौरान कलाकारों के चोटिल होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। हाल ही में जूनियर एनटीआर, राम चरण और बालकृष्ण के घायल होने के बाद अब रश्मिका मंदाना के चोटिल होने की खबर सामने आ रही है।

## रश्मिका

### हुई चोटिल, 6 हफ्ते के लिए बेड रेस्ट पर गई

एजेंसी ►► मुंबई

अपनी आगामी फिल्म के सेट पर वो एक गंभीर हादसे का शिकार हो गई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें काम से ब्रेक लेकर पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। इस खबर से फैंस काफी चिंतित हैं। रश्मिका फिल्म ‘मैसा’ के सबसे खास और मुख्य डांस सीक्वेंस के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रही थीं। हैदराबाद में पिछले कुछ दिनों से एक मशहूर कोरियोग्राफर की देखरेख में इस गाने का रिवर्सल चल रहा था। हालांकि, 31 जुलाई को डांस प्रैक्टिस के दौरान पैर फिसलने की वजह से उनके कूल्हे में गंभीर चोट लग गई। कूल्हे की हड्डी फ्रैक्चर होने के कारण वो मोके पर ही हिलने-डुलने में असमर्थ हो गईं। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में एक्स-रे और स्कैन के बाद डॉक्टरों ने रश्मिका की चोट को काफी गंभीर बताया है। उनकी पीआर टीम के मुताबिक, जांच की मांसपेशी को हड्डी से जोड़ने वाली नस (टेंडन) खिंचकर पूरी तरह अलग हो गई है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी चोट आमतौर पर खिलाड़ियों को ही लगती हैं। इसे ठीक करने के लिए रश्मिका को कम से कम 6 हफ्ते का बेड रेस्ट, फिजियोथेरेपी और थेरेपी की सख्त जरूरत है।



## हॉलीवुड मसाला

### हॉलीवुड में खुद को दी सबसे बड़ी चुनौती

लॉस एंजिल्स। दिशा पटानी ने ‘हॉलिंगाइट्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स’ से अपना हॉलीवुड सफर शुरू किया है। उन्होंने बताया कि यह अनुभव उन्हें उनके कॉफर्ट जोन से बाहर ले गया और उन्हें एक अभिनेता के रूप में बढ़ने का मौका मिला। कई ऑडिशन के बाद, उन्हें यह भूमिका पाकर बहुत खुशी हुई और उन्होंने अपना पूरा ध्यान इस पर लगाया। अंतर्राष्ट्रीय कास्ट के साथ काम करके खुश हैं दिशा पटानी- अंतर्राष्ट्रीय कास्ट और कू के साथ काम करना दिशा के लिए एक बिल्कुल नया अहसास था।



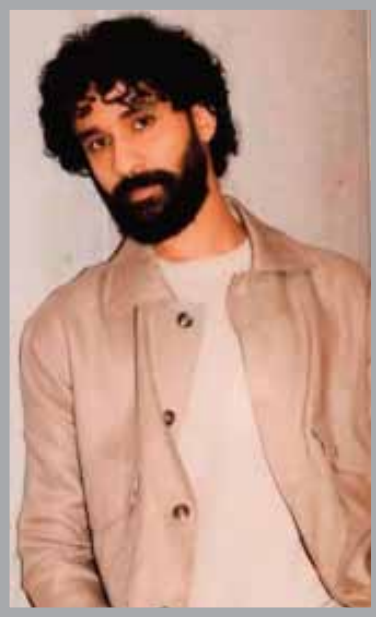
### ‘स्पाइडर-मैन’ को अलविदा कहेंगे टॉम हॉलैंड...

लॉस एंजिल्स। मार्वल की फिल्म ‘स्पाइडर-मैन: बांड न्यू डे’ के जरिए टॉम हॉलैंड ने ‘पीटर पार्कर’ के रूप में वापसी की है। हाल ही में, उन्होंने बताया कि ‘स्पाइडर-मैन’ के भविष्य के लिए मार्वल स्टूडियोज और सोनी पिक्चर्स के पास उनके किरदार की विदाई को लेकर पहले से योजना तैयार है। अभिनेता ने खुशी जताई कि उनकी जगह भविष्य में कोई और ‘स्पाइडर-मैन’ के किरदार को आगे लेकर जाएगा। टॉम ने यह भी बताया कि वह किसी इस किरदार में देखना चाहेंगे। हैप्पी रेट्स कन्फ्यूज्ड पॉडकास्ट से बातचीत में, टॉम ने कहा, स्पाइडर-मैन: नो वे होम की शूटिंग खत्म होने के बाद से ही हम एक पूरी योजना पर काम कर रहे हैं। यह योजना तैयार है। इसमें कुछ बदलाव जरूर होंगे, लेकिन कमान सौंपने को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है।



## सीता के रूप में नजर आई कंगना...

**मुंबई।** नमित मल्होत्रा की पौराणिक फिल्म ‘रामायण’ का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज किया गया था। फिल्म में साई पल्लवी ‘माता सीता’ के किरदार में हैं। उनके लुक को सोशल मीडिया पर खूब प्यार मिल रहा है। इस बीच, अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अपने बचपन की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह स्कूल के दौरान ‘सीता’ के किरदार में दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ-साथ उनका कैप्शन लोगों का ध्यान खींच रहा है। तस्वीर में सीता के रूप में नजर आई कंगना कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 2 तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में उन्हें लाल रंग की साड़ी पहने ‘माता सीता’ के अवतार में देखा जा सकता है। वह एक हाथ से आशीर्वाद वाली मुद्रा बनाए हुए हैं।



## किंग में विलेन बनकर टक्कर देंगे राघव

**मुंबई।** शाहरुख खान की फिल्म ‘किंग’ इस साल क्रिसमस पर तहलका मचाने आ रही है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी रही इस एक्शन थ्रिलर में राघव जुयाल भी मौजूद हैं, जिन्हें लेकर कहा जा रहा था कि वह इसमें युवा विलेन के किरदार में नजर आएंगे। हालांकि, अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘भाई तेरा स्टार है’ के प्रमोशन के दौरान राघव ने इन चर्चाओं पर चुपची तोड़ी। उन्होंने बताया कि फिल्म को अंनोखे तरीके से फिल्माया जा रहा है। ‘किंग’ में सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, अरशद वारसी और अभय वर्मा जैसे कलाकार भी शामिल हैं। ये 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जब राघव से ‘किंग’ में विलेन का किरदार निभाने की अफवाहों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ये बिल्कुल, सा झूठ बोल रहे हैं।

## फिल्मी मसाला



## रामानंद सागर की ‘रामायण’ में जुगाड़ से बनाई ज्वेलरी

**मुंबई।** निवेश तिवारी और नमित मल्होत्रा की रामायण को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है। चार हजार करोड़ के भारी-भरकम बजट में बनी इस फिल्म की रामानंद सागर की ‘रामायण’ से तुलना हो रही है जिसकी मेकअप को शायद उम्मीद भी रही होगी। रामानंद सागर ने अपनी ‘रामायण’ से इस महाकाव्य को टीवी पर कुछ ऐसे पेश किया जिसकी आज तक कोई बराबरी नहीं कर पाया है। अब भले ही निवेश तिवारी की रामायण 4000 करोड़ के बजट में बनी है, लेकिन रामानंद सागर ने महज 8-9 करोड़ की लागत से 78 एपिसोड्स शूट किए थे। अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया, सुनील लहरी स्टारर रामानंद सागर की ‘रामायण’ का बजट भले ही सीमित था, लेकिन डायरेक्टर ने इफेक्ट्स, कॉस्ट्यूम और आभूषणों में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। उन्होंने जुगाड़ लगा-लगाकर इस सीरियल को भारतीय टेलीविजन के इतिहास में दर्ज करवाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन दिनों पैसे का काफी सीमित होते थे जिसके चलते डायरेक्टर ने 8-9 करोड़ की लागत से पूरा सीरियल बनाया था जिसमें पूरी स्टारकास्ट की फीस भी शामिल है।

**जुगाड़ से शूट हुई थी ‘रामायण’** : डायरेक्टर ने इस महाकाव्य के लिए खुद ही कास्टिंग की थी। उन्होंने ज्वेलरी और कॉस्ट्यूम बनाने के लिए भी हर मुमकिन जुगाड़ किया। उस दौर में वीएफएक्स वगैरह तो होते नहीं थे, ऐसे में रामानंद सागर ने अगरबत्ती की मखद से कोहरे का सौम शूट किया था। वो अगरबत्ती के धुएं से कोहरे वाला इफेक्ट क्रिएट करते थे।

### डायरेक्टर ने खुद डिजाइन करवाई थी इस

रामानंद सागर ने अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए हर जिम्मा खुद उठाया था। वो कॉस्ट्यूम से लेकर ज्वेलरी तक सबकुछ खुद ही डिजाइन करवाते थे। सीरियल में दीपिका चिखलिया के सीता कॉस्ट्यूम से लेकर अरुण गोविल के राम किरदार के लिए ‘मगनालाल ड्रेसवाला’ ने कपड़े डिजाइन किए थे। पूरी स्टारकास्ट के कॉस्ट्यूम इन्होंने ही बनवाए थे। इस कंपनी को अब 100 साल से ज्यादा समय हो चुका है।

### ज्वेलरी हीराभाई पटेल से कराई थी डिजाइन

रामानंद सागर ने पूरी स्टारट की ज्वेलरी मशहूर आर्ट डायरेक्टर हीराभाई पटेल से डिजाइन करवाई थी। उन्होंने ही ‘रामायण’ के सारे सेट डिजाइन किए थे, जिनमें रावण के अंशुक वाटिका तक शामिल है। वो हर कास्ट की ज्वेलरी अपने हाथों से कागज पर बनाकर उसे पेंट करते थे। इस पूरे प्रोसेस में डायरेक्टर उनके सामने बैठे रहते थे।

## ‘टॉक्सिक’ में अपनी भूमिका पर की बात, किया बड़ा खुलासा...

**मुंबई।** कियारा अडवाणी ने बताया है कि आने वाली फिल्म ‘टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर गोन-अप्ट’ में नंदिया का उनका किरदार अब तक का सबसे ज्यादा संतुष्टि देने वाला रहा है। इस फिल्म को गौतु मोहदास ने निर्देशित किया है और इसमें यश दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी और गौतु के नरेशन ने कियारा को तुरंत अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, उनके किरदार (नंदिया) में जो गहराई थी, उसी ने कियारा को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कियारा बताती हैं कि गौतु के नरेशन ने उन्हें सममुच मंत्रमुग्ध कर दिया था।

**‘टॉक्सिक’ में नंदिया की जटिलताओं को समझना** : कियारा ने नंदिया के किरदार को ताकत, कमजोरी, पागलपन और अलगाव का मिला-जुला रूप बताया। उनके मुताबिक, ‘यह ऐसा किरदार था जिसके लिए कोई भी अभिनेता तैयार था’ है। इस किरदार की तैयारी के लिए कियारा ने सबसे पहले नंदिया के जज्बातों को समझा, उसके बाद उन्होंने अपने हाव-भाव और आवाज पर काम किया। कियारा ने अपनी सह-कलाकारों नयनतारा,



हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रश्मिणी वाश्यं की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि इन सभी ने फिल्म के सिनेमैटिक यूनिवर्स में कुछ अंनोखा योगदान दिया है। फिल्म ‘टॉक्सिक’ को वैसे तो कन्नड़ और इंग्लिश में शूट किया गया है, लेकिन यह हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## एक बार फिर साथ दिखेंगी ये सुपरहिट जोड़ियां

*मुंबई। मोहित सूरी की अगली फिल्म में अहान पांडे और अनीत पट्टा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। वहीं, इम्टियाज अली की आगामी फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी भी दोबारा स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। इन लोकप्रिय जोड़ियों की वापसी ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। ऐसे में आइए जानते हैं बॉलीवुड की उन चर्चित ऑन-स्क्रीन जोड़ियों के बारे में, जो जल्द ही फिर एक साथ नजर आएंगी।*

### अहान पांडे-अनीत पट्टा

अहान और अनीत ने मोहित की रोमांटिक न्यूजिकल फिल्म ‘सैयरा’ से एक साथ बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म के भावनात्मक अंदाज और लोकप्रिय गानों ने इसे बड़ी रोमांटिक हिट बना दिया। अब खबर है कि यह लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर मोहित की अगली रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अक्टूबर-नवंबर 2026 में शुरू होने की संभावना है।

### शरवरी-वेदांग रैना

इम्टियाज के पीरियड ड्रामा ‘मैं वापस आऊंगा’ में नजर आए शरवरी और वेदांग ने अपने शानदार अभिनय के लिए खूब तारीफें बटोरी थीं। अब फिल्म ‘मैं वापस आऊंगा’ की सफलता के बाद, यह ऑन-स्क्रीन जोड़ी कथित तौर पर इम्टियाज की एक और फिल्म



के लिए फिर से साथ नजर आने वाली है, जिसकी शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू होगी। हालांकि, इसकी रिलीज की तारीख का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

### शाहरुख खान-दीपिका पादुकोण

2007 में आई फिल्म ‘ओम शांति ओम’ में शाहरुख खान के साथ डेब्यू करने के बाद से ही दीपिका पादुकोण ने उनके साथ कई रिकॉर्ड तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया, जैसे ‘चेन्नई एक्सप्रेस’, ‘हैप्पी न्यू ईयर’, ‘पठान’ और ‘जवान’। अब वो दोनों जल्द ही फिल्म ‘किंग’ में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए शाहरुख की बेटी सुहाना बॉलीवुड डेब्यू करेंगी।

### सनी देओल-प्रीति जिंटा

सनी देओल और प्रीति जिंटा फिल्म ‘द हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई’ और ‘फर्ज’ में साथ नजर आए थे। वहीं अब यह लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर ‘रक्तवाती 1947’ में एक साथ नजर आएंगे। इस फिल्म

का निर्देशन राजकुमार सतोषी कर रहे हैं और इसे अमिर खान निर्मित कर रहे हैं। यह फिल्म लंबे समय बाद सनी और प्रीति की बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर चर्चा में है।

## फिल्मों व सीरीज में रोमांटिक कॉमेडी से लेकर साइकोलॉजिकल थ्रिलर और सुपरहीरो

## सावन के महीने में ओटीटी-थिएटर्स में लगेगा मनोरंजन का मेला

### नई दिल्ली। शुक्रवार

### मतलब वीकेंड वाली फीलिंग

### और काम करने का मन

### करना। सिने लवर्स तो आज ही

### से प्लान बनाने में लग जाते हैं

### कि छुट्टी वाले दिन उन्हें क्या

### देखना है। अगर आप भी वीकेंड पर

### कहीं न जाने का प्लान कर रहे तो

### हम आपके लिए सिनेमाघरों से लेकर

### ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों

### और सीरीज लेकर आए हैं जिन्हें आप घर

### बैठकर मजे से बिज वॉच कर सकते हैं। इस

### बार सिनेमा के पिटारे में क्या-क्या है चलिए

### जानते हैं।



### द डेविल वेयर्स प्राडा 2

पहली फिल्म के लगभग दो दशक बाद, ‘द डेविल वेयर्स प्राडा 2’ दर्शकों को मिरांडा प्रीस्टली से फिर से मिलती है, जो तेजी से बदलती फैशन इंडस्ट्री में अपना रास्ता बना रही हैं। यह सीक्वल बदलती फैशन इंडस्ट्री, कॉर्पोरेट कॉम्पटीशन और बदलते रिश्तों की कहानी है। साथ ही इसमें वही तीखा मजाक, ग्लैमर और वर्कप्लेस ड्रामा भी है जिसने पहली फिल्म को दुनिया भर में इतना लोकप्रिय बनाया था।

### रोमांस: माय लाइफ

### विद द वॉल्टर बॉयज

आने वाले तीसरे सीजन में, जैकी स्विचर फॉल्स लौटती है। वह अपने रिश्तों को फिर से बनाने और एलेक्स और कोल के लिए अपनी उलझी हुई भावनाओं के बीच साफ सोच पाने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है। जब वॉल्टर परिवार नई चुनौतियों का सामना करता है, तो जैकी प्यार, अपनी तरक्की और मुश्किल फैसलों के बीच अपना रास्ता बनाती है और यह भी पता लगाती है कि असल में उसकी जगह कहाँ है। आप इसे 6 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

### है जवानी तो इश्क होना है

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े और मनीष पॉल स्टारर यह रोमांटिक कॉमेडी ‘जस’ की कहानी है। उसकी शादी टूट जाती है, लेकिन विदेश में शुरू हुई एक नई लव स्टोरी उसे प्यार, वफादारी और कमिटमेंट के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर देती है। आप इसे 31 जुलाई, 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ गई है।

### बालन: द बॉय

बालन अपनी मां के साथ एक महिला जेल में बड़ी होता है। उसका बचपन अपनी पहचान बदलते हुए और छिपते-छिपते बीतता है। जब वह अपने अतीत का सच जानने की कोशिश करता है, तो वह दबे हुए राज, खतरनाक खुलासों और भावनात्मक खोजों के ऐसे जाल में फँस जाता है जो उसकी जिंदगी के बारे में उसकी सारी सोच को ही बदल देता है। आप इसे जी० पर देख सकते हैं।

### नूर स्वामी

असल जिंदगी की घटनाओं पर आधारित यह इमोशनल तमिल ड्रामा, मुश्किलों, त्याग और हिम्मत के बीच मां और बेटे के मजबूत रिश्ते को दिखाती है। नूर स्वामी 31 जुलाई से जी० पर रिलीज हो चुकी है।

### राव बहादुर

यह तेलुगु साइकोलॉजिकल ड्रामा एक ऐसे रहस्य परिवार की कहानी है जिसका रूतबा अब कम हो रहा है। इसमें शक, अविश्वास और छिपे हुए सच की दिखाया गया है, साथ ही मुख्य किरदार अपनी अंदरूनी उलझनों से जूझता है। आप इसे 31 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर रिलीज कर दिया गया है।

# बदल रही सोने-चांदी की चाल, क्या करें निवेशक

घबराएं नहीं, समझदारी से लें निवेश का फैसला ►► अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बढ़ी सतर्कता ►► मजबूत डॉलर और वैश्विक दबाव से बुलियन बाजार में गिरावट

## { अलर्ट बिजनेस डेस्क }

सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई। इस गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता, डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आई कमजोरी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के नजरिए से बढ़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद, गोल्ड ईटीएफ में बढ़ते निवेश और एशियाई देशों से मजबूत मांग जैसे कारक अब भी सोने को सहारा दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए खतरों की घंटी है या फिर लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर खरीदारी का अवसर। आने वाले दिनों में फेड के फैसले पर बाजार की अगली दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय है या फिर खरीदारी का अवसर?

## एफडी तोड़ें या उसी पर लोन लें? जरूरत के समय लें सही फैसला

### { बिजनेस डेस्क }

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। सुरक्षित रिटर्न, निश्चित ब्याज और पूंजी की सुरक्षा के कारण लाखों लोग अपनी बचत एफडी में निवेश करते हैं। लेकिन जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या एफडी को समय से पहले तोड़ दिया जाए या फिर उसी एफडी के बदले बैंक से लोन लिया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इसका कोई एक जवाब सभी पर लागू नहीं होता। सही विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कितने समय के लिए पैसे चाहिए, कितनी राशि की जरूरत है और आपको लोन चुकाने की क्षमता कैसी है। यदि सही निर्णय लिया जाए तो ब्याज के नुकसान से बचा जा सकता है और निवेश भी सुरक्षित रह सकता है।

### एफडी तोड़ने पर क्या होता है?

एफडी एक निश्चित अवधि के लिए किया गया निवेश होता है। यदि इसे मैच्योरिटी से पहले बंद कराया जाता है तो बैंक आमतौर पर तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं देगा। कई बैंक प्री-मैच्योर विड्रॉल पर ब्याज दर कम कर देते हैं और साथ ही पेनाल्टी भी वसूलते हैं। इसका सीधा असर आपके कुल रिटर्न पर पड़ता है। मान लीजिए आपने पांच साल की एफडी कराई है और उसे दो साल बाद ही तोड़ना पड़ जाए। ऐसी स्थिति में बैंक आपको उसी अवधि के हिसाब से ब्याज देगा और उस पर भी जुर्माना काट सकता है। इससे आपकी अनुमानित कमाई कम हो जाती है। हालांकि यदि आपको लंबे समय तक पैसों की जरूरत है और लोन पर चुकाना जाने वाला ब्याज, एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से अधिक है, तो एफडी बंद करना बेहतर निर्णय हो सकता है। इससे भविष्य में ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

## 10 साल में 1 लाख को 5 लाख से ज्यादा बनाने वाले टॉप म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश में स्मॉल और मिडकैप फंडों ने किया ज्ञानदार प्रदर्शन, रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मददगार

### { निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क }

म्यूचुअल फंड लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यदि निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि के लिए निवेश करें, तो अच्छे फंड बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई ऐसी म्यूचुअल फंड योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने निवेशकों के 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 लाख रुपये से अधिक में बदल दिया। खास बात यह है कि इन सभी योजनाओं का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम रहा, जिससे निवेशकों पर फंड प्रबंधन की लागत भी कम पड़ी। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी फंड का चयन केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, बल्कि निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि को भी ध्यान में रखना चाहिए।



### गिरावट की सबसे बड़ी वजह

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता है। निवेशकों की उम्मीद है कि फेड के ब्याज दरों पर आने वाले फैसले से आने वाले महीनों में सोने और चांदी की दिशा तय होगी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में मजबूती भी बुलियन बाजार पर दबाव बना रही है। डॉलर इंडेक्स एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। चूंकि वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के खरीदारों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं।

### फेड का फैसला क्यों होता है इतना अहम?

सोना और चांदी ब्याज नहीं देते। इसलिए जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं तो निवेशक अधिक रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे बुलियन की मांग घटती है। इसके विपरीत यदि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है या फेड नरम रुख अपनाता है, तो सोना निवेशकों के लिए फिर आकर्षक बन जाता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया के निवेशकों की नजर फेडरल रिजर्व की हर बैठक पर रहती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यदि फेड भविष्य में दरों में कटौती के संकेत देता है तो सोने और चांदी में फिर से तेजी लौट सकती है। वहीं अपेक्षा से अधिक सख्त रुख अपनाने पर कीमतों में कुछ और दबाव देखने को मिल सकता है।



### विशेषज्ञ क्या कह रहे

एलकेपी सिक्वोरिटीज के कमोडिटी एवं करेंसी रिसर्च विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बुलियन बाजार में कमजोरी और भारतीय रुपये की मजबूती ने एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को प्रभावित किया है। उनका मानना ​​है कि फिलहाल निवेशक फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और उसी के आधार पर बाजार अगली दिशा तय करेगा। कोटक सिक्वोरिटीज के अनुसार डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण सोने और चांदी दोनों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि उनका कहना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव फिलहाल वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर रहेगा।

### क्या सोने की तेजी खत्म हुई

विश्लेषकों की राय इससे अलग है। उनका मानना ​​है कि अल्पकालिक गिरावट के बावजूद सोने की लंबी अवधि की तस्वीर अभी भी सकारात्मक बनी हुई है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं। ■ वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता। ■ केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद। ■ गोल्ड ईटीएफ में निवेश का बढ़ना। ■ चीन और अन्य एशियाई देशों में मजबूत भौतिक मांग। ■ भू-राजनीतिक तनाव की संभावना। ■ इन सभी कारणों से सोने को लंबे समय में समर्थन मिलता रह सकता है।

### चांदी में उतार-चढ़ाव ज्यादा क्यों

चांदी केवल निवेश धातु नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इसका उपयोग सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों में तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण चांदी की कीमतें सोने की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर और नीचे जाती हैं। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी में फिर अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। मौजूदा गिरावट में घबराकर निवेश बेचने की जरूरत नहीं है। यदि आपका निवेश लंबी अवधि का है तो ऐसे उतार-चढ़ाव सामान्य माने जाते हैं।

### निवेशकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करें।
- पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही सोने और चांदी में रखें।
- यदि कीमतों में और गिरावट आती है तो उसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।
- फेडरल रिजर्व के फैसले और डॉलर की चाल पर नजर बनाए रखें।
- अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राथमिकता दें।

### केवल कमजोरी के रूप में नहीं

सोने और चांदी में आई मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और निवेशकों की सतर्कता का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि लंबी अवधि में सोना अभी भी पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में घबराहट में फैसले लेने के बजाय बाजार की दिशा, वैश्विक संकेतों और अपने निवेश लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना अधिक समझदारी होगा। फिलहाल फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद ही बुलियन बाजार की अगली बड़ी चाल स्पष्ट होने की संभावना है।



आने वाले दिनों में अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला, डॉलर इंडेक्स की चाल, अमेरिका के महंगाई और रोजगार के आंकड़े, वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम तथा केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बुलियन बाजार की दिशा तय करेंगे। यदि फेड नरम रुख अपनाता है तो सोना और चांदी दोबारा मजबूती दिखा सकते हैं। वहीं मजबूत डॉलर और ऊंची ब्याज दरें बनी रहीं तो कीमतों में कुछ समय तक दबाव जारी रह सकता है।

## 40 की उम्र में कैसे बनाएं मजबूत म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो

### { बिजनेस डेस्क }

अक्सर माना जाता है कि 40 वर्ष की उम्र के बाद निवेश में जोखिम कम कर देना चाहिए, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सही सोच नहीं है। यदि रिटायरमेंट में अभी 15 से 20 वर्ष का समय बाकी है, तो यह लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अच्छा अवसर है। इस उम्र में सबसे जरूरी है कि निवेश को उम्र के बजाय वित्तीय लक्ष्यों और उनकी समयसीमा के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की उम्र तक अधिकांश लोगों के सामने बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे कई लक्ष्य एक साथ होते हैं। ऐसे में हर लक्ष्य के लिए अलग निवेश रणनीति बनानी चाहिए। अल्पकालिक जरूरतों के लिए सुरक्षित निवेश और लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

### रिटायरमेंट को दें अलग पहचान

बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट को सामान्य निवेश का हिस्सा नहीं, बल्कि एक अलग दीर्घकालिक लक्ष्य मानना ​​चाहिए। जिन लक्ष्यों की अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक है, उनमें लगभग 80% निवेश इक्विटी और 20% डेट में रखा जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए पूरी राशि डेट फंड में रखना अधिक सुरक्षित माना जाता है। उनका कहना है कि सोना भी पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। लंबी अवधि के पोर्टफोलियो में डेट हिस्से का एक भाग गोल्ड से बदला जा सकता है।



### कितनी हो डेट की हिस्सेदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के सीनियर इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट विभिन्न जॉन के अनुसार, यदि निवेशक की जोखिम उठाने की क्षमता अच्छी है और रिटायरमेंट में अभी लंबा समय है, तो 60 से 80 प्रतिशत तक निवेश इक्विटी आधारित योजनाओं में किया जा सकता है। हालांकि यदि निकट भविष्य में किसी बड़े खर्च की योजना है, तो इक्विटी का अनुपात कम रखना चाहिए।

### किन श्रेणियों को दें प्राथमिकता

विशेषज्ञों का मानना ​​है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए पोर्टफोलियो में विभिन्न श्रेणियों के फंड शामिल होने चाहिए। इनमें प्रमुख हैं। ● पलेक्सी कैप फंड ● फोकरस्ट फंड ● मिड कैप फंड ● लार्ज कैप फंड ● स्मॉल कैप फंड ● डिविडेंड यील्ड फंड ● फोकरस्ट फंड ● बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग 50-55% लार्ज कैप, 20-25% मिड कैप और शेष स्मॉल कैप में निवेश रखने की सलाह दी गई है। इससे बाजार के विभिन्न चक्रों में संतुलित रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

### हर साल बहाने एसआईपी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी भी बढ़ानी चाहिए। यदि हर वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की स्टेप-अप एसआईपी की जाए तो रिटायरमेंट के समय बनने वाला फंड काफी बड़ा हो सकता है।

### हर वर्ष करें पोर्टफोलियो की समीक्षा

निवेशकों को वर्ष में कम से कम एक बार अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि एसेट एलोकेशन तय लक्ष्य के अनुसार है या नहीं, वित्तीय लक्ष्य बदले हैं या नहीं और जोखिम उठाने की क्षमता में कोई बदलाव आया है या नहीं। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का अनुपात बदल गया है, तो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

### इन गलतियों से बचे

विशेषज्ञों के अनुसार 40 की उम्र में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग आय बढ़ने के बावजूद निवेश नहीं बढ़ाते। दूसरी बड़ी ग़ल्ट रिटायरमेंट के लिए अलग रणनीति न बनाना है। कई लोग अपनी अधिकांश बचत अभी भी केवल फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे पारंपरिक साधनों में रखते हैं, जो लंबे समय में महंगाई को मात देने में अवसर सक्षम नहीं होते। इसके अलावा कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और टर्म इश्योरेंस भी होना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में लंबी अवधि के निवेश को बीच में न तोड़ना पड़े।

### यह रखें ध्यान

40 वर्ष की उम्र निवेश की दौड़ में देर नहीं है। यदि सही एसेट एलोकेशन, नियमित एसआईपी, वार्षिक पोर्टफोलियो समीक्षा और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश रणनीति अपनाई जाए, तो अगले 15-20 वर्षों में मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। उम्र से अधिक महत्वपूर्ण है अनुशासित निवेश और समय पर सही निर्णय।

### एसआईपी निवेशकों को लाभ

सिर्फ एकमुश्त निवेश ही नहीं, बल्कि नियमित निवेश यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करने वाले निवेशकों को भी इन योजनाओं से अच्छा लाभ मिला। यदि किसी निवेशक ने पिछले 10 वर्षों तक हर माह 10,000 की एसआईपी की होती, तो कई योजनाओं में उसका निवेश 35 लाख से 38 लाख रुपये के बीच पहुंच जाता। ■ एसआईपी प्रदर्शन में क्वांट मल्टी एसेट एलोकेशन फंड सबसे आगे रहा। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया मैयूफैक्चरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निपॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड, एडेलवाइस मिड कैप फंड, डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड, एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निपॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड और एक्सिस स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।



### एक्सपेंस रेशियो क्यों है महत्वपूर्ण

म्यूचुअल फंड में एक्सपेंस रेशियो वह शुल्क होता है, जो फंड हाउस निवेशकों के पैसे के प्रबंधन के लिए वसूलता है। यदि यह शुल्क कम होता है, तो निवेश का बड़ा हिस्सा बाजार में लगा रहता है और लंबे समय में निवेशक को बेहतर नेट रिटर्न मिल सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ निवेशकों को रिटर्न के साथ-साथ एक्सपेंस रेशियो पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं। इस सूची में शामिल सभी फंडों का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

### स्माल और मिडकैप फंडों का रहा दबदबा

टॉप 10 की सूची में सबसे अधिक फंड स्मॉल कैप और मिड कैप श्रेणी के हैं। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में इन श्रेणियों की कई कंपनियों ने तेज विकास दर्ज किया, जिसका लाभ इन फंडों को मिला। हालांकि स्मॉल और मिडकैप फंडों में जोखिम भी अधिक होता है। बाजार में गिरावट आने पर इनमें उतार-चढ़ाव बड़े कैप फंडों की तुलना में ज्यादा देखा जाता है। इसलिए इनमें निवेश करने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

### निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवल पिछले रिटर्न पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेशकों को फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर का अनुभव, जोखिम स्तर, एक्सपेंस रेशियो और अपने वित्तीय लक्ष्य का आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, निवेश को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर जोखिम कम किया जा सकता है। नियमित अंतराल पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करना भी जरूरी है ताकि बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार निवेश रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जा सकें।

### क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों का शानदार प्रदर्शन भविष्य में भी उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। बाजार की स्थिति, ब्याज दरें, आर्थिक विकास और वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। इसलिए निवेशकों को किसी एक फंड या एक ही श्रेणी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। लंबी अवधि, अनुशासित निवेश और नियमित एसआईपी जैसी रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकती हैं।





### मित्रता दिवस विशेष



# सफलता-सुकून-समृद्धि खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कॉर्पोरेट जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

**तनाव में होती है कमी:** हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्तों के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

**करियर सक्सेस में सहायक:** अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको



नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

**शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार:** 'प्लॉस मॉडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

**खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग:** दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गुगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स

और स्टीव वॉज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

**संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा:** मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विजुअलाइजेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

**भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास:** कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने



या झगड़क के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार हैं।

गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

**अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा:** शिकागो विश्वविद्यालय के कॉमिंगटन एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी जाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

**बढ़े निर्णय लेने की क्षमता:** येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

**रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा:** मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरोल पथव्ये बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर

तकनीक ने हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नष्ट करे से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

## फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

**न्यू टेंड**  
**शैलेंड सिंह**

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजो और अगले 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

**बन सकते हैं हजारों दोस्त:** आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल मीडिया पर एक हजार या इससे ज्यादा दोस्त हैं। 10 फीसदी तो ऐसे लोग हैं, जिनके दोस्तों की इस आभासी दुनिया में संख्या पांच हजार की आस-पास है और एक से डेढ़ फीसदी ऐसे लोग भी हैं, जिनके दोस्तों की संख्या हजारों नहीं दसियों हजार से ऊपर है। दरअसल, ये दोस्त नहीं फॉलोवर्स कहलाते हैं।

**दुनिया भर में कर सकते हैं दोस्ती:** दुनिया में एक और बड़ा धमाका सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद हुआ। चाहे आप देश या दुनिया के कितने ही पिछड़े इलाके में रह रहें हों, लेकिन सोशल मीडिया के चलते आप देश-विदेश कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। ऐसे लोगों के साथ जिन्हें न कभी देखा हो, न कभी उनसे मुलाकात हुई हो, न उनके बारे में कुछ ज्यादा जानते हों और न ही उनके आपके विचार, रुचियां और सपने एक जैसे हों। इसके बाद भी चाहें तो आप सोशल मीडिया के जरिए ऐसे विपरीत रुचियों के लोगों के साथ भी सहजता से देश-विदेश में दोस्ती कर सकते हैं। अब दोस्ती के लिए न बहुत हैसियत की जरूरत है, न बहुत पैसे की, न सामाजिक प्रभुत्व या न ही किसी क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय होने की जरूरत है। दोस्ती के लिए अब सिर्फ एक ही चीज की जरूरत है- आपके पास

मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

**हर सीमा, सरहद से परे:** दोस्ती हमेशा से इसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक,

लिनकडइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेडिट और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

**अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती:** सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

**हर वर्ग को हो रहा फायदा:** इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है।



### दोस्त के हंसते ही...

मुस्कुराने से श्रमलतास भी खिल उठता था दोस्त के हंसते ही आकाश भी खिल उठता था उसके आने से जा जाती थी घर में नौनक उसके होने से मधुमास भी खिल उठता था ऐसे मिलता था दो जम्हों से हो रिश्ता जैसे पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था उसकी यादों में मुकम्मल-सा जहां है अपना उसके होने का अरुसास भी खिल उठता था छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूरत उसकी जुबिश से नक्काश भी खिल उठता था राथ रखता था वो यूं कांथे पे करीने से उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

### संगीत के अनछुए सुर

प्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर



बैचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गुंजती घंटियों के बीच बिरमिल्लाह खां की शहनई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीयमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अप्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है।

**पुस्तक:** शब्द उठान सुर तिहाई, **लेखक:** देव प्रकाश चौधरी  
**मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

### लघुकथाएं

### पुरानी बेंच



में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' k

- डॉ. यशोधरा भटनागर

### अपनों से दोस्ती



बड़े-छोटे सदस्यों की दोस्ती देख यही सोचते हुए विदा हुई कि 'घर के बाहर दोस्तों के साथ खिलखिलाने, मन की कहने का परिवेश अगर घर में ही हो तो, यह दुनिया की सबसे प्यारी दोस्ती होगी।' उसने मन ही मन तय कर लिया कि अपने घर में भी मित्रता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी। k

में बड़ों की प्रतिक्रिया के प्रति सजग। आज सहेली के साथ उसके घर आकर अपनों का यह मैत्री भाव देखा तो लगा जैसे बहुत कुछ छूट रहा है, उनके जीवन से, मन से, रिश्तों से। मित्रता जो नहीं है, उनकी एक-दूसरे से। रिश्तों की औपचारिक सजगता और कभी सम्मान तो कभी सद्धानुपन रखने के नाम पर, सखा भाव को पनपने का अवसर ही ना मिला। उस घर के

देश के कोने-कोने का भरोसा

वज़न बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बुटियां

10 दिनों में अस्तर देखें

क्योंकि वज़न है, तो वज़नदारी है!

# सांपों के भी थे पैर! जानिए 10 करोड़ साल पहले अचानक ऐसा क्या हुआ जो गायब हो गए अंग



**ब्यूनस आयर्स।** कल्पना कीजिए कि आपके सामने एक सांप 4 पैरों पर चलकर आ रहा है। शायद यह किसी डरावनी फिल्म का सीन लगे। लेकिन, सच यह है कि आज से 10 से 17 करोड़ साल पहले धरती पर घूमते सांपों के पास असली पैर थे। वे छिपकली की तरह चलते थे और शिकार करते थे। तो फिर ऐसा क्या हुआ कि उनके पैर गायब हो गए? क्या प्रकृति ने कोई जादू किया या डीएनए का कोई खेल था?

**100 मिलियन साल पुराना जीवाश्म और बड़ा खुलासा**  
वैज्ञानिकों को अर्जेंटीना के रेगिस्तान में एक बेहद अजीब जीवाश्म मिला। इसका नाम नजाश रियोनेगीना रखा गया। यह लगभग 9.5 से 10 करोड़ साल पुराना सांप का जीवाश्म था। सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि इस सांप के पिछले पैर साफ-साफ शरीर से बाहर निकले हुए थे। यह कोई समुद्री जीव नहीं था बल्कि जमीन और रेगिस्तान में रहने वाला शिकारी सांप था। इसके चेहरे की हड्डियां बताती हैं कि यह कीड़ा नहीं, बल्कि बड़े शिकार भिगलने वाला खतरनाक शिकारी था।



## रातोंरात नहीं गायब हुए पैर

सांपों ने अपने पैर अचानक एक दिन में नहीं गंवाए। वैज्ञानिकों के अनुसार यह बदलाव धीरे-धीरे हुआ। सांपों ने सबसे पहले अपने आगे के पैर करीब 17 करोड़ साल पहले गंवाए। इसके बाद भी वे करोड़ों सालों तक पिछले पैरों के सहारे चलते रहे। करीब 10 करोड़ साल पहले जाकर उनके पिछले पैर भी पूरी तरह गायब हुए। यह बदलाव इतना धीमा था कि इसमें डायनासोर के खत्म होने से भी ज्यादा समय लगा।

## डीएनए का वह जिन, जिसने बंद कर दिया पैर बनाना

वैज्ञानिकों ने जब सांपों के डीएनए की जांच की तो उन्हें सोनिक द हेजहोग नाम का एक जीन मिला। यह जीन जानवरों में पैर और दिमाग बनाने का काम करता है। सांपों में इस जीन को चालू करने वाला स्विच जिसे जेडआरएस एक्वांसर कहते हैं, म्यूटेशन के कारण बंद हो गया था। जब वैज्ञानिकों ने लैब में चूहे के भ्रूण में सांप के इस टूटे हुए स्विच को ठीक करके लगाया तो चूहे के पैर सामान्य रूप से उग आए। इसका मतलब है कि पैर बनाने का कोड आज भी सांपों के डीएनए में छिपा हुआ है।

## अजगर के शरीर में आज भी छिपे हैं पैर

क्या आप जानते हैं कि आज के अजगर और बोआ सांपों में पूरी तरह पैर खत्म नहीं हुए हैं। अगर आप किसी अजगर के पिछले हिस्से को ध्यान से देखें तो वहां छोटी-सी हड्डियां या कांटे जैसी संरचना दिखती है। ये और कुछ नहीं, बल्कि उनके पुराने पैरों के बचे हुए हिस्से हैं। भ्रूण के दौरान अजगर के पैर बनना शुरू होते हैं, लेकिन बाद में वे रुक जाते हैं। वहीं, कोबरा और वाइपर जैसे सांपों में यह जेनेटिक बदलाव बहुत आगे तक चला गया और उनके पैर पूरी तरह मिट गए।

## रोचक खबरें

### 4 हजार मीटर की ऊंचाई पर उगता है यह इंसान से भी लंबा फूल

**नई दिल्ली।** प्रकृति कब और कहाँ हमें हैरान कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता। इन दिनों सोशल मीडिया पर हिमालय की वादियों का एक ऐसा ही वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर हर कोई दंग है। इस वीडियो में एक ऐसा दुर्लभ फूल दिखाई दे रहा है, जो अपनी लंबाई और अનોखे अंदाज की वजह से चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर इस अनोखे पौधे को डायमंड कहा जा रहा है। हालांकि, वैज्ञानिक और स्थानीय भाषा में इसे पदमचाल या केन्जो के नाम से जाना जाता है। इसकी चमकदार और नायाब बनावट की वजह से ही लोग इसे प्यार से हिमालयी हीरा बुलाते हैं। आम फूल जहाँ हर साल खिलते हैं, वहीं यह पौधा अपने पूरे जीवनकाल में सिर्फ एक ही बार खिलता है। इस एक फूल को खिलने में 7 से 15 साल तक का लंबा वक्त लग जाता है। यही वजह है कि इसे देखना हर



किसी के नसीब में नहीं होता और जैसे ही यह पूरी तरह खिलता है, इसका जीवन चक्र भी पूरा होने लगता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन पौधों की लंबाई 3.2 फीट से लेकर 6.5 फीट तक होती है यानी यह किसी लंबे-तगड़े वयस्क इंसान से भी ऊंचे हो सकते हैं। वायरल वीडियो में भी साफ देखा जा सकता है कि पहाड़ी रास्तों के बीच यह पौधा इंसानों के बराबर खड़ा है। यह दुर्लभ पौधा समुद्र तल से करीब 4,000 मीटर (यानी 13,000 फीट) या उससे भी ज्यादा की ऊंचाई पर, हिमालय के ठंडे और पथरीले इलाकों में पाया जाता है।

### 4 आंख और 2 सिर वाली छिपकली जो इंसान के नाखून से भी छोटी है

**न्यूयार्क।** अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में एक दो सिर वाली छिपकली ने जन्म लिया है। आमतौर पर दो सिर वाले जीव पैदा होने के कुछ घंटों या दिनों में ही मृत तोड़ देते हैं, लेकिन साइमन एंड गारफंकेल नाम की यह छिपकली न सिर्फ 4 हफ्ते की हो चुकी है, बल्कि बिल्कुल स्वस्थ है और तेजी से बड़ी भी हो रही है। इंटरनेट पर इस नन्हे जीव की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और लोग इसे कुदरत का चमत्कार मान रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पेंसिल्वेनिया के रॉकस्टार गेकोस नाम के ब्रीडिंग सेंटर में 29 जून को जब यह छिपकली अंडे से बाहर आई, तो इसे देखकर वहां के एक्सपर्ट्स भी हैरान रह गए। इसका आकार एक इंसान के नाखून से भी छोटा है और वजन महज 1.8 ग्राम है।



## राशिफल

|  |                                                                                                                                                                  |
|--|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|  | किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा।। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।                            |
|  | वर्ष के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। |
|  | आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयाँ आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।                       |
|  | आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं।। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।          |
|  | आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं।। सेहत का ध्यान रखें।                        |
|  | मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर वर्ध के वाद-विवाद से बचें।                         |
|  | आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।                                              |
|  | आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय                                   |
|  | आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा।। आय भी बढ़ेगी।। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।               |
|  | माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा।। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं।। तरक्की के योग बन रहे हैं।                       |
|  | अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।। भाइयों का सहयोग रहेगा।                           |
|  | शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।।                                 |

# समंदर के भीतर कैसे चमक रही ‘बिजली’! रिंग ऑफ फायर के रहस्यमयी नजारे से वैज्ञानिक हैरान

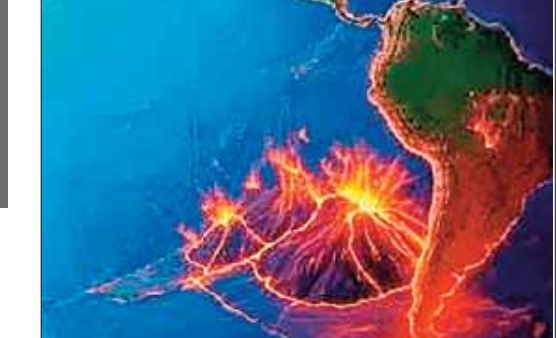
न्यूयार्क। प्रशांत महासागर की अथाह गहराइयों में कुछ ऐसा घट रहा है, जिसने दुनिया भर के वैज्ञानिकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। समंदर की सतह के नीचे अचानक बिजली जैसी कड़कड़ाहट और चमक दिखाई देती है, जो एक पल में गायब हो जाती है। इसे द फ्लैशिंग कहा जाता है। ताज्जुब की बात यह है कि बिना किसी तूफान के पानी के नीचे ये लाइट जलती हैं और आज की एडवांस टेक्नोलॉजी भी इसका सटीक कारण नहीं खोज पाई है। प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' वाले इलाके में पानी के नीचे बिजली कड़कने जैसी घटनाएँ देखी जा रही हैं। सुमात्रा और जावा से लेकर चिली तक फैली इस विशाल समुद्री पट्टी में पानी के अंदर अचानक टॉर्च जैसी रोशनी जलती है और तुरंत बुझ जाती है। इस रोशनी का आसमान के तूफानों से कोई लेना-देना नहीं है। प्राचीन समय में पोलिनेशिया के नाविक इसी रोशनी की मदद से बिना दिशा-सूचक के समंदर में टापू खोज लिया करते थे।

**वैज्ञानिकों के पास नहीं है कोई जवाब**  
सांस्कृतिक मानव विज्ञानी मैरिएन जॉर्ज ने सोलोमन द्वीप समूह के पास इस रहस्यमयी चमक को अपनी आंखों से देखा है। उन्होंने बताया कि यह ऐसा लगता है जैसे पानी के नीचे कोई टॉर्च जलाकर तुरंत बुझा दी गई हो। उन्होंने अपनी स्टडी में बताया कि यह चमक जलमग्न जमीन के पास से निकलती है। लेकिन, आज की आधुनिक साइंस और उपकरण भी यह पता लगाने में असमर्थ हैं कि आखिर पानी के अंदर यह बिजली पैदा कैसे हो रही है।



### क्या समुद्री जीव फैला रहे हैं यह रोशनी

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जॉन ह्यूथ के मुताबिक, इसका एक कारण बायोलुमिनेसेंस हो सकता है। हो सकता है कि डार्क में चमकने वाले सूक्ष्म जीव पानी में मौजूद हों और जब कोई मछली वहां से तेजी से गुजरती हो, तो दबाव के कारण वे अचानक चमक उठते हों। हालांकि, यह भी सिर्फ एक अनुमान है। फिलहाल द फ्लैशिंग की यह रहस्यमयी बिजली पूरी दुनिया के लिए एक अनसुलझी पहेली बनी हुई है।



## क्या भूकंप और ज्वालामुखी हैं इसके जिम्मेदार

रिंग ऑफ फायर वह इलाका है जहां लगातार टेक्टोनिक प्लेटें खिसकती हैं और ज्वालामुखीय गतिविधियां होती रहती हैं। मैरिएन जॉर्ज का मानना है कि प्लेटों के खिसकने से बनने वाली विद्युत-चुंबकीय तरंगें पानी में ऐसी लाइट पैदा कर सकती हैं। हालांकि, वैज्ञानिकों ने तारे, उपग्रह या वायुमंडलीय कारणों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

# 500 साल से बंद थी राजा की कब्र, खुलते ही एक-एक कर 15 वैज्ञानिकों की हुई मौत

वार्सा। साल 1973 में पोलैंड के नेशनल मीडिया में एक खबर ने जबरदस्त हलचल मचा दी थी। राजा कैसिमिर का निधन 1492 में हुआ था और करीब 500 साल बाद उनके अंतिम विश्राम स्थल को रिसर्च के लिए खोला जा रहा था। सबसे चौंकाने वाली बात तो तब हुई जब इतिहास के इस रहस्य को उजागर करने की कीमत रिसर्चर्स को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। राजा का मकबरा खुलने के कुछ ही दिनों के भीरत, अंदर कदम रखने वाले 12 रिसर्चर्स में से 4 की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वहीं अगल कुछ ही सप्ताह में मरने वालों की संख्या 15 तक पहुंच गई। कब्र में मौत की वजह कोई श्राप नहीं, बल्कि सदियों से बंद हवा में पनप रहा बेहद खतरनाक और जहरीला फंगस था। जब 1492 में राजा कैसिमिर का निधन हुआ था, तब भीषण गर्मी पड़ रही थी। उनका शरीर तेजी से सड़ने लगा था। जिसे आनन-फानन में साधारण लकड़ी के ताबूत में रखकर बंद कर दिया गया। 500 साल तक बिना हवा और नमी में बंद रहने के कारण ताबूत तो सड़ गया, लेकिन वहां फंगस के लिए एकदम अनुकूल माहौल बन गया।

**कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमण्डल अधिकारी, केवलारी (सा.) उपवनमण्डल प्रेस विज्ञापि**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वन परिक्षेत्र केवलारी (सा.) अन्तर्गत दर्ज वन अपराध प्रकरण क्रमांक 35657/16 दिनांक 09.04.2026 में जप्त दो पहिया मोटर सायकिल हीरो हॉण्डा सी. डी. डिलक्स वाहन क्रमांक CG-04-DC-0190 चेचिस नम्बर MBLHA11EDY89D07466 ( रंग काला ) में वनोपज सागीन काष्ठ 01 नग 0.061 घमी. परिवहन करते हुये जप्त किया गया है। जिसके राजसात किये जाने की कार्यवाही प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमण्डल अधिकारी केवलारी (सा.) में प्रचलित है।

अतः दो पहिया मोटर सायकिल हीरो हॉण्डा सी. डी. डिलक्स वाहन क्रमांक CG-04 - DC -0190 चेचिस नम्बर MBLHA11EDY89D07466 ( रंग काला ) के संबंध में जो व्यक्ति दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना चाहता है ज्ञापन प्रकाशित होने की तिथी से 15 दिवस के अन्दर वैधानिक दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करें। यदि कोई पक्षकार उपस्थित नहीं होते है तो एक तरफा कार्यवाही की जाकर वाहन राजसात किया जावेगा।

( डॉ. आर. के. गुरुदेव )  
सं.व.सं. प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमण्डल अधिकारी  
केवलारी (सा.) उपवनमण्डल  
G-16550/26

**कार्यालय कार्यपालन संजी लोक निर्माण विभाग, ( भ / स ) संभाग नरसिंहपुर ( म.प्र.)**

| निविदा सूचना क्रमांक 16 / वर्ष 2025 - 26 / कार्य.वं.                                                                                                                             |                     |           |                     |                                                                                                                                                                                | निविदा सूचना                   |           |                     |               |                        | नरसिंहपुर, दिनांक 30/07/2025                                                        |  |  |  |  |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|-----------|---------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------|-----------|---------------------|---------------|------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|--|--|--|--|
| निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदाये आमन्त्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट <a href="http://www.mptenders.gov.in">www.mptenders.gov.in</a> पर देखा जा सकता है। |                     |           |                     |                                                                                                                                                                                |                                |           |                     |               |                        |                                                                                     |  |  |  |  |
| क्र.                                                                                                                                                                             | टेंडर आई डी         | जिला      | कार्य का प्रकार     | कार्य का नाम                                                                                                                                                                   | कार्य की अनु. राशि ( रु. लाख ) | घरोर राशि | निविदा राशि की राशि | आमंत्रण क्र.  | कार्य समयावधि          | भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का कार्यालय ( मूल एफ. डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज ) |  |  |  |  |
| 1                                                                                                                                                                                | 2025 PWDRB 513899_2 | नरसिंहपुर | मजबूती करण          | नरसिंहपुर उपसभाग के अंतर्गत नरसिंहपुर मगरथा सांकल सिंहपुर मैनावाही पहुच मार्ग शहरी क्षेत्र मिसिंग लंबाई 3.60 कि. मी. (विद्युतीकरण कार्य सहित) का मजबूतीकरण । (द्वितीय आमंत्रण) | 462.12                         | 4,62,500  | 15,000              | 9             | 10                     | सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।                                                  |  |  |  |  |
| 2                                                                                                                                                                                | 2025 PWDRB 525563_  | नरसिंहपुर | वार्षिक संधारण सड़क | नरसिंहपुर उपसभाग के बरमान सेक्शन अंतर्गत विभिन्न मार्गों के पेव रिपेयर एवं अन्य मरम्मत का कार्य ।                                                                              | 9.95                           | 20,000    | 2,000               | प्रथम आमंत्रण | 04 माह वर्षाप्रतु सहित | सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।                                                  |  |  |  |  |
| <b>योग</b>                                                                                                                                                                       |                     |           |                     |                                                                                                                                                                                | <b>472.07</b>                  |           |                     |               |                        |                                                                                     |  |  |  |  |

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अतिम तिथि 12/08/2026, ( 17.00 ) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट [www.mptenders.gov.in](http://www.mptenders.gov.in) में देखा जा सकता है। निविदा में हाने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल घरोरर ( ई.एम.टी.) राशि एवं अन्य सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत दिनांक 12/08/2026, (17.30 बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित पोर्टल में प्राप्त की जावेगी।

G-16554/26 **"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"** कार्यपालन संजी, लोक निर्माण विभाग ( भ / स ) - संभाग नरसिंहपुर

**शब्द पहेली - 6305**

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 1  | 2  |    | 3  | 4  | 5  | 6  |    | 7  | 8  |
|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 9  |    |    | 10 |    | 11 | 12 |    | 13 | 14 |
|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 21 |    |    | 22 |    | 23 |    | 24 | 25 | 26 |
|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 28 | 29 |    | 30 |    | 31 | 32 | 33 |    |    |
|    | 34 | 35 | 36 |    | 37 | 38 | 39 |    |    |
| 40 |    | 41 | 42 |    | 43 | 44 | 45 | 46 |    |
| 47 | 48 |    | 49 | 50 |    | 51 |    | 52 |    |
|    | 53 | 54 |    | 55 | 56 |    | 57 |    | 58 |
| 59 |    | 60 | 61 |    | 62 | 63 |    | 64 | 65 |
| 66 |    |    | 67 |    |    | 68 |    | 69 |    |

न सेंचण 1

**बाएँ से दाए**

- उम्मीद, आशा-2
- जी, चित्त-2
- भस्म, खाक-2
- जाल, फंदा-2
- चित्तन, सोचना-3
- ठाठ-बाट-2
- क्रिकेट में बनते हैं-2
- एक राशि-3
- काया, बदन-2
- एक विदेशी शराब-2
- बोलेन का तरीका-3
- शालीन, सभ्य-2
- बल, ताकत-2
- भैंस जैसा एक पशु-2
- पुत्री की पुत्री-3
- कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
- मोटा आटा-2
- जुड़वा-3
- आनंदित-2
- नौकर, गुलाम-2
- बूंद-3
- लक्ष्मी, विष्णुप्रिया-2
- जंगल, कानन-2

**दाएँ से बाएँ**

- मेहंदी-2
- दृष्टि, निगाह-3
- बुरी आदत -2
- पत्थर-2
- नमस्कार, प्रणाम -3
- खुमार, सरूर -2
- मीणा हुआ -2
- पक्षाघात-3
- चुनौती-2
- ऋण, उधार -2
- भूमि, जमीन-2
- चक्रा, बुरी आदत-2
- ऊपर से नीचे
- फलों का राजा-2
- साजन, बलमा-3
- खुमार-2
- खच्चर, गथा-2
- वहम, संदेह-2
- अनुकृति-3
- खुका हुआ-2
- आदमी-2
- वास करना-3
- आकाश-2
- धर्मंड-2

**सूडोकू नवताल- 6315**

|   |   |   |   |  |   |   |     |
|---|---|---|---|--|---|---|-----|
| 7 | 8 |   |   |  | 2 | 6 | 3   |
|   |   |   |   |  | 4 |   |     |
| 1 | 3 | 5 |   |  | 8 |   |     |
|   |   |   |   |  | 1 |   |     |
| 6 | 7 |   |   |  | 9 |   | 2   |
|   |   |   |   |  | 6 |   |     |
|   |   |   |   |  | 3 |   |     |
| 2 |   | 8 | 5 |  |   |   | 6 1 |

**सूडोकू नवताल- 6314 का हल**

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 3 | 2 | 9 | 5 | 6 | 1 | 7 | 8 |
| 6 | 8 | 5 | 7 | 1 | 4 | 9 | 2 | 3 |
| 9 | 1 | 7 | 3 | 8 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 3 | 4 | 8 | 6 | 2 | 7 | 5 | 1 | 9 |
| 5 | 6 | 1 | 8 | 4 | 9 | 2 | 3 | 7 |
| 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 | 6 | 8 | 4 |
| 1 | 9 | 3 | 4 | 7 | 5 | 8 | 6 | 2 |
| 8 | 2 | 4 | 1 | 6 | 3 | 7 | 9 | 5 |
| 7 | 5 | 6 | 2 | 9 | 8 | 3 | 4 | 1 |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं।  
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।  
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटाने नहीं सकते।  
■ पहेली का केवल एक ही हल है।



## कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में है **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।  
24x7 Helpline: 77106 44444 • [www.sachisaheli.in](http://www.sachisaheli.in)



**67** दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



मकानों से ऊंची सड़क पर कोर्ट ने किया दखल से इंकार

जबलपुर। मैहर में मां शारदा मंदिर जाने वाली सड़क को आसपास के मकानों और दुकानों से एक-दो फीट ऊंचा बनाए जाने के मामले में मप्र हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप से इनकार करते हुए जनहित याचिका निरस्त कर दी। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने कहा कि सड़क निर्माण तकनीकी विशेषज्ञों की रिपोर्ट और आवश्यक तकनीकी आकलन के आधार पर किया जाता है। ऐसे मामलों में कोर्ट तकनीकी निर्णयों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

मैहर निवासी समाजसेवी मनीष पटेल ने याचिका दायर कर मां शारदा देवी रोपवे गेट से घंटाघर मार्ग तक प्रस्तावित सड़क निर्माण को चुनौती दी थी। आरोप था कि पुराने रास्ते का स्तर कम करने के बजाय उसके ऊपर कंक्रीट को नई सड़क बनाई जा रही है, जिससे सड़क आसपास के मकानों-दुकानों से ऊंची हो गई है।

## स्टेशन पर चोरी के 3 मोबाइल बेचने आया शातिर गिरफ्तार

जबलपुर। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के चोरी हुए मोबाइल बेचने की फिराक में घूम रहे एक शातिर बदमाश को जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 62 हजार रुपये बताई गई है। स्टेशन चैकिंग के दौरान भुखबिर से सूचना मिली कि प्लेटफॉर्म नंबर-1 के कटनी छोर पर एक युवक चोरी के मोबाइल फोन बेचने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम पंकज मेहरा उर्फ टीकू निवासी बरमानकला, थाना सुआतला, जिला नरसिंहपुर बताया। जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने बताया तलाशी के दौरान उसके पास से बिना सिम के तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनमें एक रियलमी नार्जो, एक रियलमी और एक वनप्लस का मोबाइल शामिल है। बरामद मोबाइलों की कुल कीमत करीब 62 हजार रुपये आंकी गई है।

जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) के तहत मामला दर्ज कर

मोबाइल जब्त कर लिए हैं। ई-रक्षक ऐप से की गई जांच में आरोपी के खिलाफ पहले से भी आपराधिक प्रकरण दर्ज होना सामने आया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है।

## तिलवारा घाट पर नर्मदा में डूबने से युवक की मौत

जबलपुर। तिलवारा घाट पर नर्मदा नदी में नहाने गए युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार रांझी निवासी शशांक उर्फ संदेश कोल 29 जुलाई को दोस्त के साथ तिलवारा घाट नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में डूब गया। गोताखोरों ने अगले दिन उसका शव नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### बदलते मौसम में आपके सेहत का रखें ख्याल



**असहनीय दर्द**  
**सूजन**  
**एठन**  
में अपनाएँ



**हरारत बदन दर्द**  
**आँखे लाल होना**  
में अपनाएँ

### महारास्नादि काढ़ा (गुग्गुलु युक्त)



- ✓ वात रोगों में दर्द से आराम दिलाने में सहायक
- ✓ जोड़ों के दर्द में उपयोगी
- ✓ पीठ दर्द, कमर दर्द और शारीरिक सूजन आदि में उपयुक्त।

### महासुदर्शन काढ़ा (अमली चिरायता युक्त)



- ✓ हाथपाँव का अकड़ना
- ✓ मुँह का स्वाद कड़वा होना
- ✓ भूख न लगना
- ✓ सिरदर्द व बदन दर्द
- ✓ आँखे लाल होना आदि में उपयुक्त।

मुफ्त वैद्यकीय सलाह के लिए संपर्क करें : + 91 844 844 4935

### यौन उत्पीड़न की शिकायत का मुद्दा उठा तो अधिकारी ने वापस ली जनहित याचिका

जबलपुर। सरकारी कार्यालयों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण कानून के तहत समितियों के गठन की मांग को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी संजीव कुमार मेहरा को अपनी जनहित याचिका वापस लेनी पड़ी। सुनवाई के दौरान बोर्ड की ओर से याचिकाकर्ता के खिलाफ एक महिला कर्मचारी द्वारा पूर्व में की गई यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत का मुद्दा उठाया गया। इसके बाद कोर्ट के रुख को देखते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति मांग ली गई।

एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने याचिका वापस लिए जाने के आधार पर उसे निरस्त कर दिया बोर्ड की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ सेठ ने बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 2024 में सिंगरौली में पदस्थ थे।

## हाईकोर्ट ने किया जनहित याचिका का पटाक्षेप कैंसर इंस्टीट्यूट में उपकरण खरीदी का वर्क आर्डर जारी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने शासकीय नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कालेज, जबलपुर के कैंसर इंस्टीट्यूट में उपकरण खरीदी में देरी को लेकर दायर जनहित याचिका का पटाक्षेप कर दिया। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच को बताया गया कि कोर्ट के पूर्व आदेश के पालन में निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में वर्क आर्डर जारी कर दिया गया है। अधिवक्ता

विकास महावर ने 2023 में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि संसाधनों के अभाव में कैंसर मरीजों को पर्याप्त उपचार नहीं मिल रहा है। जनहित याचिका में बताया गया था कि उपकरण खरीदी के लिए वर्ष 2016 में 84 करोड़ रुपये आवंटित हुए थे, लेकिन खरीदी नहीं हुई। शासन ने तकनीकी कारणों से निविदाएं निरस्त होने की जानकारी दी थी। वर्तमान स्थिति में राहत मिलने पर कोर्ट ने प्रकरण निराकृत कर दिया।

## 77 दावेदारों ने खोला चुनावी मोर्चा, अब नामांकन की बारी

जबलपुर। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही न्यायालय परिसर में चुनावी सरगमी बढ़ गई है। 31 जुलाई और एक अगस्त को नामांकन पत्र वितरण की प्रक्रिया पूरी की गई। नामांकन पत्र वितरण के अंतिम दिन तक विभिन्न पक्षों पर चुनाव लड़ने के इच्छुक कुल 77 अधिवक्ताओं ने नामांकन पत्र प्राप्त किए हैं। अधिवक्ताओं ने चुनाव को लेकर अपनी सक्रियता दिखाई और विभिन्न पक्षों पर दावेदारी की तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव प्रक्रिया का अगला महत्वपूर्ण चरण तीन और चार अगस्त को होगा। इन दोनों दिनों में प्रत्याशियों द्वारा प्राप्त किए गए नामांकन पत्र चुनाव समिति के समक्ष



हाई कोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव की सरगमी बढ़ी, तीन-चार अगस्त को जमा होंगे नामांकन पत्र

जमा किए जाएंगे। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच सहित चुनाव कार्यक्रम के आगामी चरण पूरे किए जाएंगे। नामांकन दाखिल होने के साथ ही विभिन्न पक्षों पर चुनाव मैदान में उतरने वाले प्रत्याशियों की तस्वीर स्पष्ट होगी।

### सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जिला अदालत का फैसला

## फिल्म घूसखोर पंडत के शीर्षक विवाद का परिवाद खारिज

जबलपुर। घूसखोर पंडत फिल्म के विवादित शीर्षक को लेकर वॉलीवुड निर्देशक नीरज पांडे और नेटफ्लिक्स के खिलाफ दायर परिवाद को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पंकज सविता ने खारिज कर दिया। जबलपुर निवासी वैभव पाठक ने फिल्म का शीर्षक घूसखोर पंडत रखे जाने से ब्राह्मण समुदाय की छवि प्रभावित होने और भावनाएं आहत होने का आरोप लगाया था। निर्देशक की ओर से अदालत में

दलील दी गई कि परिवाद दायर करने का अधिकार उस व्यक्ति को है, जिसकी छवि पर सीधे तौर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हो। उन्होंने बताया कि 19 फरवरी 2026 को नीरज पांडे ने सुप्रीम कोर्ट में शपथ-पत्र प्रस्तुत कर फिल्म का शीर्षक बदलने की जानकारी दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में फिल्म को लेकर चल रहे प्रकरणों को समाप्त करने का निर्देश दिया था।

### पंचायत के निर्णय पर अपीलीय अदालत की भूमिका नहीं निभा सकता हाईकोर्ट

## श्मशान घाट निर्माण की चुनौती खारिज

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नरसिंहपुर जिले की तेंदुखेड़ा तहसील के ग्राम डोभी में श्मशान घाट निर्माण को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने कहा कि जब विधिवत निर्वाचित पंचायत पदाधिकारियों ने आमसभा में किसी स्थल को अंतिम संस्कार स्थल के विकास के लिए चुना है, तो न्यायालय उस निर्णय के खिलाफ

अपीलीय अदालत की भूमिका नहीं निभा सकता। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार ने श्मशान घाटों के सुनियोजित विकास के लिए नीति बनाई है और ग्राम पंचायत स्तर पर अधिकारियों व तकनीकी अमलें को जिम्मेदारी सौंपी है। याचिकाकर्ताओं संतोष पटेल व सुरेश पटेल ने स्कूल, आवासीय क्षेत्र और हाईवे के समीप निर्माण का हवाला दिया था। कोर्ट ने याचिका आधारहीन पाते हुए खारिज कर दी।

## बिना परमिट चल रही बस पर 55 हजार का जुर्माना स्कूल बसों पर आरटीओ की सख्ती

को। निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक एमपी 20 जेड एस 1613 के पास वैध परमिट नहीं मिला, जिसे नियमों का गंभीर उल्लंघन माना गया।

मामले में स्कूल प्रबंधन ने

परिवहन विभाग को लिखित आश्वासन दिया कि संबंधित वाहन का परमिट जल्द बनवाया जाएगा और तब तक उसका संचालन नहीं किया जाएगा। इसके बाद विभाग ने मौके पर ही 55 हजार रुपये का

चालान वसूल कर कार्रवाई पूरी की। आरटीओ रिकू शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्कूल वाहन को सड़क पर उतारने से पहले उसके सभी वैधानिक दस्तावेज पूर्ण और वैध होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

परिवहन विभाग का कहना है कि स्कूली वाहनों की औचक जांच आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित हो और विद्यार्थियों का सफर पूरी तरह सुरक्षित बनाया जा सके।



**पेट सफा तो हर रोग दफा...**

**अगर पेट सफा खाओगे बिल्कुल जोर नहीं लगाओगे**

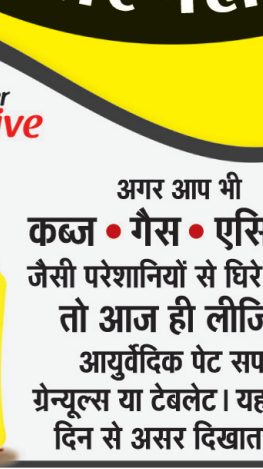


**अगर पेट सफा खाओगे**



**20% EXTRA**

**पेट सफा**



**super effective**

**पेट सफा**

अगर आप भी कब्ज • गैस • एसिडिटी जैसी परेशानियों से घिरे हुए हैं, तो आज ही लीजिए, आयुर्वेदिक पेट सफा ग्रैनुल्स या टेबलेट। यह पहले दिन से असर दिखाता है।



**पेट सफा**

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचित महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) – 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) – 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240